शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 239 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 29 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम मोदी और बिल गेट्स ने एआई से लेकर जलवायु परिवर्तन तक पर की चर्चा पेज 2
मणिपुर में दो यूएनएलएफ-के कैडर समेत चार उग्रवादी गिरफ्तार पेज 3
लोकसभा चुनाव में पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी के नाम की बयार: डॉ. दिनेश शर्मा पेज 5
11 साल के बाद भारत में टीवी पर दिखेंगे न्यूजीलैंड के मैच, सोनी स्पोर्ट्स... पेज 7

न्यायपालिका पर दबाव : 600 से ज्यादा वकीलों ने सीजेआई को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली। राजनेताओं से जुड़े मामलों में न्यायपालिका की चयनात्मक आलोचना करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। हरीश साल्वे समेत 600 से अधिक प्रमुख वकीलों ने चिंता जाहिर की है। वकीलों ने इस बात पर चिंता जाहिर की है कि देश में एक *विशेष ग्रुप* न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इन सभी वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर न्यायालय और जजों का समर्थन किया है। सीजेआई को लिखे पत्र में वकीलों ने लिखा कि कानून को बनाए रखने के लिए काम करने वाले लोगों के रूप में, हम सोचते हैं कि यह हमारी अदालतों के लिए खड़े होने का समय है। हमें एक साथ आने और मौजूदा समय में न्यायालय पर किए जा रहे हमलों के खिलाफ बोलने की जरूरत है। वकीलों ने चिंता जाहिर की कि विशेष ग्रुप अदालतों की कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। खासकर उन मुद्दों पर बाधा डालने की कोशिश की जा रही है, जो मामले राजनेताओं और राजनीतिक दलों से जुड़े हैं। पत्र में लिखा गया कि एक किसी विशेष फायदे के लिए न्यायालय की अखंडता को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। वकीलों ने चिट्ठी में ये भी लिखा कि न्यायधीशों के सम्मान पर जानबूझकर हमले किए जा रहे हैं। वकीलों ने *बेंच फिक्सिंग* और घरेलू अदालतों की अराजक शासन जैसे आरोपों पर चिंता व्यक्त की है। वकीलों ने न्यायपालिका की अखंडता को बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट से इन हमलों के खिलाफ सुरक्षात्मक कदम उठाने का अनुरोध किया है। वकीलों ने चिट्ठी में लिखी कि हम सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वे इस तरह के हमलों से हमारी अदालतों को बचाने के लिए सख्त और ठोस कदम उठाएं। चिट्ठी में वकीलों ने न्यायपालिका के समर्थन में एकजुट रुख अपनाने का आह्वान किया है ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ बना रहे।

दूसरों को डराना-धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति : पीएम

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे सहित देशभर के 600 वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर न्यायालय और जजों का समर्थन किया है। वहीं, उन्होंने न्यायपालिका पर सवाल उठाने को लेकर भी चिंता जाहिर की है। वकीलों ने इस बात पर चिंता जाहिर की है कि देश में एक *विशेष ग्रुप* न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। वहीं, वकीलों द्वारा सीजेआई को लिखे पत्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दूसरों को डराना और धमकाना -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : दो नामांकन खारिज

गुवाहाटी। काजीरंगा और शोणितपुर सीटों से दो उम्मीदवारों के नामांकन पत्र गुरुवार को जांच के दौरान अवैध पाए गए। इस बात की जानकारी एक चुनाव अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 38 प्रतियोगियों ने पांच निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन दाखिल किया है, जहां 19 अप्रैल को राज्य में पहले चरण में मतदान होगा। अधिकारी ने बताया कि काजीरंगा में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के उम्मीदवार फैसल अहमद मजूमदार और शोणितपुर में निर्दलीय उम्मीदवार महेंद्र ओरांग के पर्चे खारिज कर दिए गए। सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों में शेष 36 उम्मीदवारों के कागजात वैध पाए गए। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 30 मार्च है। काजीरंगा में सबसे अधिक 11 उम्मीदवार हैं, इसके बाद लखीमपुर में नौ, शोणितपुर में आठ, जोरहाट में पांच और डिब्रूगढ़ में तीन उम्मीदवार हैं। पहले चरण में चुनाव लड़ने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, मौजूदा सांसद तपन गोगोई और प्रदान बरुआ, राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा और भाजपा विधायक रंजीत दत्त हैं। निवर्तमान लोकसभा में राज्य से भाजपा के पास नौ, कांग्रेस के पास तीन, एआईयूडीएफ और एक-एक सीट पर निर्दलीय का कब्जा था।

लोस चुनाव का दूसरा चरण : पांच सीटों के लिए अधिसूचना जारी

गुवाहाटी /नई दिल्ली। दूसरे चरण में नगांव, दरांग-उदालगुड़ी, डिफू (अजजा), सिलचर (अजा) और करीमगंज में मतदान होगा। इस चरण में चुनाव लड़ने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में नगांव से कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै हैं, जिनका मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुरेश बोरा और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के अमीन-उल-इस्लाम से है। वहीं, दरांग-उदालगुड़ी सीट पर भाजपा सांसद दिलीप सैकिया को कांग्रेस उम्मीदवार माधब राजबोंगशी चुनौती दे रहे हैं। सिलचर (एससी) में, असम के आबकारी मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य भाजपा के उम्मीदवार हैं, जिनका मुकाबला कांग्रेस के युवा नेता और जिला महासचिव सूर्यकांत सरकार से है। करीमगंज पर भाजपा सांसद कृपानाथ मल्लाह के -शेष पृष्ठ दो पर

नगालैंड के आठ जिले और 21 थाने अशांत घोषित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नगालैंड के 8 जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों को अशांत घोषित कर दिया है। इसी के साथ केंद्र सरकार ने इन सभी जगहों पर अगले 6 महीने के लिए आफ्सपा को बढ़ा दिया है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। राज्यों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद ये फैसला लिया गया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने एक अधिसूचना के माध्यम से घोषणा की। जिसमें कहा गया कि नगालैंड के दीमापुर, न्यूलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव पथराव के बीच हवाई फयरिंग

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिला के उपायुक्त कार्यलय में चुनाव के नामंकन पत्र की जांच प्रक्रिया के दौरान तनाव बढ़ गया जब नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के समर्थकों द्वारा उनके विरोधी पार्टी पर पथराव किया। सूत्रों के अनुसार, विवाद तब हुआ जब आज पोंगचौ वक्का विधान सभा क्षेत्र के लिए चुनाव लड़ रहे एनपीपी उम्मीदवार गंगडियाप गैंगसा के समर्थकों ने अपने प्रतिद्वंद्वी, भाजपा के उम्मीदवार और मौजूदा विधायक होंनचुन नगांदम की गाड़ी और उनके समर्थकों पर उस समय पथराव शुरू किया जब वह उपायुक्त कार्यालय से बाहर निकल रहे थे। सूत्रों के अनुसार अधूरे दस्तावेजों के कारण उनके उम्मीदवार के नामांकन पत्र को रिटर्निंग अधिकारी ने (आरओ) द्वारा खारिज कर दिया गया था, जिसकी सूचना मिलने के बाद गंगडियाप गैंगसा के समर्थकों ने पथराव शुरु कर दिया। अफरा-तफरी में, एक पत्थर जिला पुलिस अधीक्षक डेकियो गुमजा को लग गया, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग किया। सूत्रों के अनुसार स्थिती सामान्य बताई गई है, सुरक्षा बल ने स्थिति को भाल लिया। इस हादसे में किसी की गिरफ्तारी और हताहत की कोई सूचना नहीं मिली है। अरुणाचल प्रदेश में लोक सभा और विधान सभा के चुनाव-2024 के लिए आज नामांकन पत्रों की जांच की गई।

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सीएम की कुर्सी हिट लिस्ट में : कांग्रेस अध्यक्ष

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की कुर्सी हिट लिस्ट में शामिल है। किसी भी समय उनकी कुर्सी जा सकती है। कांग्रेस अध्यक्ष बोरा ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मामले में मध्य प्रदेश, हरियाणा, त्रिपुरा समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री बदले गए। चुनाव के बाद किसी भी समय भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा को बदला जा सकता है। एक प्रश्न के उत्तर में कांग्रेस अध्यक्ष ने -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस में कोई नहीं रह जाएगा : मुख्यमंत्री की गारंटी

गोलाघाट (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज फिर से दोहराया कि कांग्रेस में एक भी व्यक्ति नहीं रह जाएगा, यह उनकी गारंटी है। उन्होंने कहा कि आज गोलाघाट के अधिकांश कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनसे मुलाकात की है। वे सभी चुनाव से पूर्व औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री आज गोलाघाट जिले के नुमलीगढ़ में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि आज उन्होंने गोलाघाट के भाजपा तथा असम गण परिषद के नेता एवं कार्यकर्ताओं के साथ संयुक्त बैठक की है। बैठक में पहले चरण के मतदान से संबंधित रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत और मोदी की गारंटी खट्टे आम की तरह : कांग्रेस

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता हिमंत विश्व शर्मा की तीखी आलोचना करते हुए, कांग्रेस नेता देबव्रत सैकिया ने राजनीतिक गारंटी की विश्वसनीयता की आलोचना की, उन्होंने राजीव भवन की तुलना राम मंदिर की पवित्रता से करने वाली शर्मा की पिछली टिप्पणियों की ओर इशारा किया। देबव्रत सैकिया ने अपने संदेह को आगे बढ़ाते हुए हिमंत विश्व शर्मा और नरेंद्र मोदी की गारंटी की तुलना -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

मंत्रणा रूप आंखों से शत्रु के छिद्रों अर्थात उसकी कमजोरियों को देखा-परखा जाता है।
- आचार्य चाणक्य

लोस चुनाव : तमिलनाडु में 120 वर्ष से अधिक उम्र के 27 पुरुष व 28 महिला मतदाता

चेन्नई (हि.स.)। तमिलनाडु में आगामी आम चुनाव के लिए मतदान करने के पात्र 6.23 करोड़ लोगों में से 55 लोग 120 वर्ष से अधिक आयु के हैं। 5,537 लोग 100 या उससे अधिक उम्र के हैं। जबकि 2,06,574 मतदाताओं की उम्र 90 वर्ष से अधिक है। इसके अलावा, 14,44,851 लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं। जिनकी आयु 85 वर्ष और उससे अधिक है, वे घर से मतदान का विकल्प चुनने के पात्र हैं। तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यब्रत साहू के अनुसार कि आयोग को 85 साल से ऊपर और दिव्यांग व्यक्तियों की तरफ से सात लाख से अधिक अनुरोध प्राप्त हुए हैं। ईवीएम, वीवीपैट के साथ अधिकारियों की टीम सुविधा का लाभ उठाने वाले मतदाताओं से मुलाकात करेगी। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक तमिलनाडु में कुल 6,23,33,925 मतदाता हैं, जिनमें 40-49 आयु वर्ग के लोग उच्चतम समूह (1,37,96,152) के लोग हैं। इसके बाद 30-39 आयु वर्ग (1,29,00,263) के मतदाता आते हैं। राज्य में पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या 3,06,05,793 है, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 3,17,19,665 है। राज्य में 8,467 तृतीय लिंग मतदाता भी हैं। तमिलनाडु में संसदीय चुनाव के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा।

बूथ पर भी मतदाता वोट डालने से कर सकते हैं इनकार

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में चुनाव आयोग ने संकल्प लिया है कि वह लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए मतदान केंद्रों तक लाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। लेकिन क्या आपको पता है कि आप मतदान केंद्र पर पहुंचने के बाद भी वोट डालने से मना कर सकते हैं? जी हां, आपने सही पढ़ा। हम नोटा की बात नहीं कर रहे हैं। यह अधिकार नोटा से अलग है। आप अगर मतदान केंद्र पहुंचने के बाद वोट नहीं डालना चाहते हैं तो आप मना कर सकते हैं। चुनाव संचालन नियम, 1961 नियम 49-ओ के तहत मतदाताओं के पास ऐसा अधिकार है कि वह मतदान केंद्र पर जाने के बाद भी वोट डालने से इनकार कर सकते हैं। नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) का विकल्प मतदाताओं को जनादेश मांगने वाले किसी भी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में चीन की बिजली परियोजना निलंबित

बीजिंग। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अपने 5 इंजीनियरों की मौत बाद चीन की कंपनी ने सख्त एक्शन लेते हुए पाकिस्तान में बिजली परियोजना निलंबित कर दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आत्मघाती हमले में मारे गए छह लोगों में पांच चीनी नागरिक भी शामिल थे। चीनी इंजीनियरों को ले जा रहे एक काफिले को एक आत्मघाती हमलावर ने निशाना बनाया, जिसने -शेष पृष्ठ दो पर

मेरे पास लोस चुनाव लड़ने लायक पैसे नहीं : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ने के भाजपा के प्रस्ताव को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक *उस तरह का फंड* नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते या दस दिनों तक सोचने के बाद, मैं यह कहने के लिए वापस गई कि शायद नहीं। मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए उस तरह का पैसा नहीं है। मुझे भी एक समस्या है चाहे वह आंध्र प्रदेश हो या तमिलनाडु। यह भी होने वाला है यह उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अन्य जीतने योग्य मानदंडों का प्रश्न है... क्या आप इस समुदाय से हैं या आप उस धर्म से हैं? क्या आप इस से हैं? मैंने कहा नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा करने में सक्षम हूं। उन्होंने कहा कि मैं बहुत आभारी हूं कि -शेष पृष्ठ दो पर

न्यायिक काम में हस्तक्षेप कर रही पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी : इस्लामाबाद हाईकोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इस्लामाबाद हाई कोर्ट के 6 जजों ने देश की खुफिया एजेंसियों पर न्यायपालिका के कामकाज में हस्तक्षेप का आरोप लगाया है। इसके खिलाफ जजों ने पत्र लिखकर सर्वोच्च न्यायिक परिषद से हस्तक्षेप की मांग की है। 25 मार्च को लिखे गए पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले छह जजों में जस्टिस मोहसिन अख्तर कयानी, जस्टिस तारिक महमूद जहांगीरी, जस्टिस बाबर सत्तार, जस्टिस सरदार इजाज इशाक खान, जस्टिस अरबाब मुहम्मद ताहिर और जस्टिस समन रफत इम्तियाज शामिल हैं। सर्वोच्च न्यायिक परिषद को लिखे पत्र में सम्मेलन के माध्यम से न्यायपालिका की आजादी तय करने के लिए रुख अपनाने की भी वकालत की गई है। बता दें कि सर्वोच्च न्यायिक परिषद हाई कोर्ट्स और सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए ऑथराइज्ड सबसे बड़ी बॉडी है। पत्र में कहा गया है कि वे जज के कर्तव्य के संबंध में सर्वोच्च न्यायिक परिषद से मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए लिख रहे हैं, जिसमें कार्यपालिका के सदस्यों (जिनमें खुफिया एजेंसियों के संचालक भी शामिल हैं) के -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल 1 अप्रैल तक ईडी की रिमांड पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की हिरासत गुरुवार को एक अप्रैल तक बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल की सात दिन की हिरासत का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने कहा कि उन्हें एक अप्रैल को दिन में 11 बजे अदालत में पेश करना होगा। ईडी ने केजरीवाल को राउज एवेन्यू अदालत की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया क्योंकि उनकी वर्तमान हिरासत गुरुवार को समाप्त हो रही थी। ईडी ने केजरीवाल की और सात दिन की हिरासत का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पीएम मोदी और बिल गेट्स ने एआई से लेकर जलवायु परिवर्तन तक पर की चर्चा

नई दिल्ली (हि.स.)। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने हाल ही में नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से लेकर डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों सहित तमाम मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने गेट्स को बताया कि कैसे प्रौद्योगिकी ने भारत में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कई क्षेत्रों में क्रांति ला दी है। इस बातचीत का एक प्रमोशनल टीजर गुरुवार को जारी किया गया। टीजर में बिल गेट्स बताते हैं कि कैसे भारतीय न केवल प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं बल्कि वास्तव में आगे बढ़ रहे हैं। गेट्स ने कहा कि भारत जिन विषयों को सामने लाता है, उनमें से एक यह है कि प्रौद्योगिकी सभी के लिए होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने एआई का जिक्र करते हुए

कहा कि भारत में पैदा होने वाला बच्चा *आई* (मां) भी बोलता है और *एआई* भी बोलता है। मोदी ने गेट्स को पीएम के नमो ऐप पर फोटो बूथ का इस्तेमाल करके सेल्फी लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री के कहने पर जब बिल गेट्स ने नमो एप पर सेल्फी ली तो एप का रिस्पॉन्स देखकर वह हैरान रह गए। उन्होंने कहा कि यह तो कमाल है। इस बीच, बिल गेट्स के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि कैसे उनकी सरकार महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए तकनीक ला रही है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं साइकिल चलाना नहीं जानती थीं, वे आज ड्रोन पायलट बन रही हैं। नमो ड्रोन दीदी पहल, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के बीच आर्थिक सशक्तिकरण और वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग है। चर्चा में भारत की जलवायु शमन पहल का भी उल्लेख हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने गेट्स को अपनी पहनी हुई जैकेट दिखाई, जो रिसाइकिल मटेरियल से बनी थी।

फिल्म अभिनेता गोविंदा शिंदे गुट में शामिल

मुंबई (हि.स.)। फिल्म अभिनेता और पूर्व सांसद गोविंदा आहूजा गुरुवार को शिवसेना के शिंदे गुट में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि गोविंदा ने कोई मांग नहीं की है और शिवसेना के लिए सक्रिय रूप से काम करने की इच्छा जताई है। सीएम शिंदे ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी फिल्म कलाकारों के हित के लिए काम करती रहेगी। इस अवसर पर गोविंदा ने विश्वास जताया कि मुझे दी गई जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाऊंगा। लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने सधी हुई प्रतिक्रिया दी। जब मैं शुरुआत में 2004 से 2009 तक राजनीति में था, जब मैं बाहर निकला तो मैंने सोचा कि शायद मैं दोबारा राजनीति में नहीं आऊंगा लेकिन 14 साल के वनवास के बाद मैं फिर से शुरुआत कर रहा हूं। अभिनेता गोविंदा आहूजा पहले भी कांग्रेस पार्टी से सांसद रह चुके हैं। वह अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। उन्हें मुंबई के उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवारी मिलने की संभावना है।

हमारी सरकार अग्निवीर योजना को बंद करेगी : खड़गे

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया है कि हमारी सरकार अग्निवीर योजना को बंद करेगी। गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह प्रतिक्रिया दी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह भी कहा कि देश के रक्षा मंत्री ने (बशर्ते) कहा है कि वो अग्निवीर योजना में सुधार व बदलाव करने के लिए तैयार है। इससे पता चलता है कि मोदी सरकार द्वारा लाखों देशभक्त युवाओं पर थोपी अग्निवीर योजना अब काम नहीं कर रही है।

राष्ट्रपति भवन में कल नहीं होगा गार्ड परिवर्तन समारोह

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति भवन में भारत रत्न प्रदान करने के समारोह के कारण शनिवार (30 मार्च) को राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन समारोह नहीं होगा। राष्ट्रपति भवन की ओर से गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि भारत रत्न प्रस्तुति समारोह के कारण इस शनिवार (30 मार्च) को राष्ट्रपति भवन में गार्ड परिवर्तन (चेंज ऑफ गार्ड) समारोह नहीं होगा।

रक्षा मंत्रालय के गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय का होगा पुनर्गठन, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली (हि.स.)। *ईज ऑफ डूइंग बिजनेस* की दिशा में सुधार और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) के पुनर्गठन का फैसला लिया गया है। रक्षा उत्पादन विभाग ने गुरुवार को इसके लिए अधिसूचना भी जारी कर दी है। इसका उद्देश्य गुणवत्ता परीक्षणों की गति बढ़ाना तथा निर्णय लेने में विभिन्न स्तरों पर होने वाली अनावश्यक देरी को कम करना है। ऑर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) का निगमीकरण करने के बाद अब पुनर्गठन होने से डीजीक्यूए की भूमिका भी बदलेगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार आयुध कारखानों के नए डीपीएसयू में निगमीकरण करने से निजी रक्षा उद्योग की भागीदारी बड़ी है। उभरते रक्षा विनिर्माण उद्योग को सहायता देने के लिए डीजीक्यूए के पुनर्गठन की जरूरत महसूस की गई। यह संस्थान पहले से ही रक्षा विनिर्माण इकोसिस्टम में सभी हितधारकों के साथ सक्रिय विचार-विमर्श के बाद विभिन्न संगठनात्मक और कार्यात्मक सुधारों का संचालन कर रहा है। पुनर्गठन होने के बाद संपूर्ण उपकरण, हथियार प्लेटफॉर्म के लिए सभी स्तरों पर गुणवत्ता में एकरूपता आएगी। साथ ही रक्षा परीक्षण और मूल्यांकन संवर्धन के अलग निदेशालय का भी गठन किये जाने की योजना है। स्वचालित और मानकीकृत आश्वासन प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के साथ इस व्यवस्था से डीजीक्यूए के साथ रक्षा उद्योग की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार होने की संभावना है।

सीता राम मीणा होंगे नाइजर में भारत का अगला राजदूत

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि सीता राम मीणा को नाइजर में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। मीणा वर्तमान में विदेश मंत्रालय में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। विदेश मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विदेश मंत्रालय सीता राम मीणा (वाईओए : 2008), वर्तमान में मंत्रालय में निदेशक, को नाइजर गणराज्य में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है।

सीबीआई कोर्ट ने बैंककर्मियों सहित सात को सुनाई कैद की सजा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की लखनऊ स्थित अदालत ने गुरुवार को धोखाधड़ी के दो अलग अलग मामले में 7 लोगों को 3 से 7 साल की सजा सुनाई है। इसमें बैंककर्मी सहित अन्य लोग भी हैं। लखनऊ स्थित विशेष न्यायाधीश की एक अदालत ने इलाहाबाद बैंक के तत्कालीन अधिकारी राधा रमन बाजपेयी को 7 साल का सश्रम कारावास और 2 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। रिकेश कुमार (निजी व्यक्ति) शुक्ला पर 1.5 लाख रुपए जुर्माने के साथ 5 साल की कारावास की सजा सुनाई है। इसी मामले में इलाहाबाद बैंक के तत्कालीन विशेष सहायक गोपी नाथ टंडन, संजय सोमानी और दीपक सोमानी को 1-1 लाख रुपए के जुर्माने के साथ 3 साल की सजा सुनाई है। सीबीआई ने 29 अप्रैल 1994 को संजय सोमानी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। सीबीआई के मुताबिक 27 मार्च 1992 से 16 जनवरी 1994 की अवधि के दौरान संजय सोमानी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर साजिश रची । इन पर कानपुर स्थित इलाहाबाद बैंक के फीलखाना शाखा से 22.70 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी का आरोप था।

आम आदमी के महान होने से राष्ट्र बनता है महान : भागवत

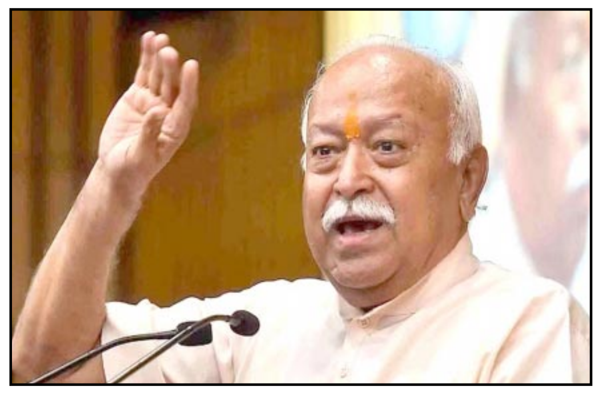

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जिस देश का आम आदमी महान होता है, वह देश महान होता है और प्रत्येक व्यक्ति सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए सामाजिक स्तर पर सुधार की जरूरत है। किसी राष्ट्र का उत्थान और पतन समाज की विचार प्रक्रिया और मूल्यों से जुड़ा होता है। मुंबई के विले पार्ले में लोकमान्य सेवा संघ के समारोह में भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने 1925 में आरएसएस की स्थापना करने वाले केशव हेडगेवार को उनके शुरुआती जीवन से प्रेरित किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल का उदाहरण देते हुए, भागवत ने कहा कि वह जर्मनी के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए लगभग तैयार थे, लेकिन फिर उन्होंने लोगों की बात सुनी और महसूस किया कि वे रसोई की चाकू से भी जर्मनी से जंग लड़ने को तैयार थे। इसके बाद चर्चिल ने ब्रिटिश संसद में अपना सबसे प्रसिद्ध भाषण दिया। इससे लोगों का मनोबल बढ़ा और बाद में ब्रिटेन ने युद्ध जीत लिया। उन्होंने इसका श्रेय देश के लोगों को देते हुए कहा कि युद्ध के दौरान वे देशवासियों की ओर से दहाड़ लगा रहे थे। असली शेर तो ब्रिटेन की जनता है। भागवत ने कहा कि सामाजिक परिवर्तन में प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने अत्यधिक भौतिकवादी जीवनशैली के समाज पर कब्जा करने और पारिवारिक बंधनों को प्रभावित करने पर चिंता जताई। नई पीढ़ी शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप के बारे में कुछ नहीं जानती।

पृष्ठ एक का शेष

दूसरों को डराना-धमकाना ...

कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। मालूम हो कि हरीश साल्वे समेत 600 से अधिक प्रमुख वकीलों ने चिंता जाहिर की है। वकीलों ने इस बात पर चिंता जाहिर की है कि देश में एक विशेष ग्रुप न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इन सभी वकीलों ने सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को चिट्ठी लिखकर न्यायालय और जजों का समर्थन किया है। सीजेआई को लिखे अपने पत्र में वकीलों कहा कि कानून को बनाए रखने के लिए काम करने वाले लोगों के रूप में, हम सोचते हैं कि यह हमारी अदालतों के लिए खड़े होने का समय है। हमें एक साथ आने और मौजूदा समय में न्यायालय पर किए जा रहे हमलों के खिलाफ बोलने की जरूरत है। वकीलों ने चिंता जाहिर की कि विशेष ग्रुप अदालतों की कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं।

लोस चुनाव का दूसरा...

खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार हाफिज अहमद चौधरी और एआईयूडीएफ के सहाबुल इस्लाम चौधरी मैदान में हैं। पहले चरण में 38 उम्मीदवारों ने काजीरंगा, जोरहाट, डिब्रूगढ़, सोनितपुर और लखीमपुर लोकसभा सीट के लिए अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। राज्य की 14 लोकसभा सीटों के लिए 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और सात मई को मतदान होगा। दूसरे चरण के तहत नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि चार अप्रैल है। नामांकन पत्रों की जांच पांच अप्रैल को होगी और उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख आठ अप्रैल है। उधर लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 12 राज्यों की 88 संसदीय सीटों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई। 26 अप्रैल को होने वाले संसदीय चुनाव के दूसरे चरण की अधिसूचना गुरुवार सुबह राष्ट्रपति की ओर से चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई। इस चरण के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 4 अप्रैल है। 5 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इस चरण के दौरान बाहरी मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के एक हिस्से में भी मतदान होगा। बाहरी मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव की अधिसूचना 20 मार्च को पहले चरण के लिए जारी गजट अधिसूचना में शामिल की गई थी। बाहरी मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के पंद्रह विधानसभा क्षेत्रों में 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होगा। निर्वाचन क्षेत्र की 13 विधानसभा क्षेत्रों में 26 अप्रैल को मतदान होगा। दूसरे चरण में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव होने हैं उनमें असम, बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के अलावा बाहरी मणिपुर सीट का एक हिस्सा शामिल है।

नगालैंड के आठ...

पेरेन जिलों में आफ्सपा को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, आफ्सपा को नगालैंड के पांच जिलों में 21 पुलिस स्टेशनों, जुन्हेबोटो और मोकोकचुंग जिलों में छह-छह पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में बढ़ा दिया गया है; कोहिमा में पांच पुलिस स्टेशन; वोखा में तीन पुलिस स्टेशन और लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस स्टेशन शामिल हैं। इन 21 पुलिस स्टेशनों में कोहिमा जिले के खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा दक्षिण, जुब्जा और केजोचा पुलिस स्टेशन शामिल हैं; मोकोकचुंग जिले में मंगकोलेम्बा, मोकोकचुंग-1, लोंगथो, तुली, लोंगकेम और अनाकी *सी* पुलिस स्टेशन; लोंगलेंग जिले में यांगलोक पुलिस स्टेशन; वोखा जिले में भंडारी, चंपांग और रालन पुलिस स्टेशन और जुन्हेबोटो जिले में घटाशी, पुघोबोटो, सताखा, सुरुहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनाटो पुलिस स्टेशन शामिल हैं। अधिसूचना में कहा गया, नगालैंड में दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिले और नगालैंड के क्षेत्र 1) कोहिमा जिले के खुजामा, कोहिमा उत्तर, कोहिमा दक्षिण, जुब्जा और केजोचा पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं; 2) मोकोकचुंग जिले में मंगकोलेम्बा, मोकोकचुंग-1, लोंगथो, तुली, लोंगकेम और अनाकी सी पुलिस स्टेशन; 3) लॉन्गलेंग जिले में यांगलोक पुलिस स्टेशन; 4) वोखा जिले में भंडारी, चंपांग और रालन पुलिस स्टेशन; और 1) घटाशी, पुघोबोटो, जुन्हेबोटो जिले के सताखा, सुरुहुतो, जुन्हेबोटो और अघुनाटो पुलिस स्टेशनों को 1 अप्रैल, 2023 से छह महीने की अवधि के लिए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 की धारा 3 के तहत *अशांत क्षेत्र* घोषित किया जाता है। केंद्र ने नगालैंड राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति की आगे की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया। इससे पहले, केंद्र सरकार ने सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 (1958 का 28) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नगालैंड राज्य के पांच अन्य जिलों में आठ जिलों और 21 पुलिस स्टेशनों को 1 अक्तूबर, 2023 से छह महीने की अवधि के लिए *अशांत* घोषित किया था। आफ्सपा सुरक्षा बलों को किसी व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार करने, बिना वारंट के परिसर में प्रवेश करने या तलाशी लेने के साथ-साथ कुछ अन्य कार्रवाई करने का अधिकार देता है।

सीएम की कुर्सी ...

मुख्यमंत्री से पूछा कि राज्य के छह जनजातियों का जनजातिकरण क्यों नहीं किया गया? चाय मजदूरों की पारिश्रमिक क्यों नहीं बढ़ाई गई? ब्रह्मपुत्र का खनन क्यों नहीं हुआ? ब्रह्मपुत्र के दोनों और एक्सप्रेस वे क्यों नहीं बने? राज्य के अनेक ज्वलंत मुद्दे हैं, जिसे वे (कांग्रेस अध्यक्ष) उठा रहे हैं। जबकि मुख्यमंत्री के समक्ष एकमात्र मुद्दा अपनी कुर्सी को बचाना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह चुनाव कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं है, बल्कि असम की जनता और भाजपा के बीच है। कांग्रेस जनता के मुद्दे उठा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा भूपेन बोरा के भाजपा में शामिल होने संबंधी बयान पर पूछे जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री बहुत कुछ बोलते हैं। एक समय में नरेंद्र मोदी के खिलाफ हिमंत विश्व शर्मा कितना नीचे उतरकर बातें किया करते थे, लेकिन आज गुणगान किया करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस दौरान मीडिया के कई अन्य सवालों के जवाब दिए।

कांग्रेस में कोई ...

बुधवार की रात वे जोरहाट में थे। वहां भी इस तरह की बैठक की गई। इससे पहली रातों में वे डिब्रूगढ़, लखीमपुर तथा शोणितपुर में एनडीए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ लगातार बैठकर कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में किस नेता को कहां पर जाना है तथा किस प्रकार की रणनीति तैयार करनी है, इसके संबंध में इन बैठकों में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा समेत कांग्रेस के सभी के सभी नेता, कार्यकर्ता अभी से लेकर 2026 के चुनाव तक भाजपा में शामिल हो जाएंगे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा कांग्रेस को और अधिक तोड़ते हुए चली गई। उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी का स्वागत है। सबको साथ लेकर देश और राज्य का विकास करने के प्रति भारतीय जनता पार्टी प्रतिबद्ध है। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की 14 सीटों में से 13 सीटों पर जीत हासिल करना अब निश्चित हो गया है। एक धुबड़ी सीट पर अंतिम चरण में मतदान होना है। धुबड़ी में भी आधे से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की स्थिति मजबूत है। वहीं, एनडीए गठबंधन से असम गण परिषद द्वारा दिया गया उम्मीदवार भी काफी मजबूत है। ऐसे में 14वां सीट भी भाजपा जीत ले तो कोई बड़ी बात नहीं होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के अन्य कई प्रश्नों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

हिमंत और मोदी ...

बाजार में खट्टे आम से की। सैकिया ने भाजपा के ट्रैक रिकॉर्ड की आलोचना करते हुए आज कहा कि पार्टी अपने द्वारा किए गए वादे, जिनमें स्वयं शर्मा भी शामिल हैं, पूरे करने में विफल रहे हैं। सैकिया ने कहा कि भाजपा द्वारा किए गए *अच्छे दिन* के वादे कहां हैं? किसी को भी भाजपा की गारंटी को महत्व नहीं देना चाहिए और न ही हिमंत विश्व शर्मा के आश्वासन को महत्व देना चाहिए। सैकिया ने उस क्षण को याद किया जब शर्मा, जो तब कांग्रेस में थे, ने भाजपा में शामिल होने के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था कि राजीव भवन, कांग्रेस मुख्यालय, *राम मंदिर के समान पवित्र है,* यह दर्शाता है कि कोई भी ऐसे पवित्र स्थान को नहीं छोड़ सकता है। सैकिया ने शर्मा के आश्वासनों और भाजपा की प्रतिज्ञाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब, विडंबना स्पष्ट है क्योंकि हिमंत विश्व शर्मा और देबांशु दास दोनों खुद को भाजपा के दायरे में पाते हैं। मीडिया पूछताछ पर प्रतिक्रिया देते हुए सैकिया ने जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से गौरव गोगोई की चुनावी संभावनाओं पर भरोसा जताया। उन्होंने भाजपा, मोदी और शर्मा की गारंटी की तुलना बाजार में खट्टे आम से की। इसके अलावा सैकिया ने भाजपा द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपी कांग्रेस नेताओं और विधायकों को सत्तारूढ़ दल द्वारा गले लगाने की विडंबना पर प्रकाश डाला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की हरकतें भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी बयानबाजी के अनुरूप नहीं हैं, जिससे वह *ब्लैकमेलिंग की राजनीति* को उजागर करते हैं, जिसका उद्देश्य भाजपा की नीतियों के खिलाफ असंतोष को चुप कराना है, जिसमें असम विरोधी समझी जाने वाली नीतियां भी शामिल हैं।

बूथ पर भी मतदाता...

उम्मीदवार में विश्वास की कमी व्यक्त करने की अनुमति देता है। जबकि वोट देने से मना करने का विकल्प एक मतदाता को पूरी तरह से चुनाव प्रक्रिया से दूर रहने की अनुमति देता है। 49-ओ नियम पीठासीन अधिकारी को निर्देश देती है कि एक बार जब कोई मतदाता अपने परिचय पत्र सत्यापित होने के बाद केंद्र के अंदर मतदान करने से इनकार कर दे, तो अधिकारी जबरदस्ती नहीं कर सकता है। बल्कि फॉर्म 17ए में इस बात का उल्लेख करेगा और मतदाता के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान लगवाएगा। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अधिकार का कोई नया नियम नहीं है। यह काफी समय पहले से है। हालांकि इस विकल्प के बारे में किसी को ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी मतदाता का वोट डालने से इनकार करने का असर चुनाव या किसी उम्मीदवार पर नहीं पड़ेगा। इस विकल्प के बारे में मतदाताओं को जागरूक करने के बारे में जब आयोग से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। चुनाव आयोग के अनुसार, साल 2019 में पूरे भारत में करीब 1,389 मतदाताओं ने मतदान केंद्र पर पहुंचने के बाद वोट नहीं डालने का फैसला लिया था।

पाकिस्तान में चीन...

विस्फोटकों से भरे वाहन से टक्कर मार दी। एक हफ्ते से भी कम समय में पाकिस्तान में चीनी हितों पर यह तीसरा बड़ा हमला है। चीनी इंजीनियरों का काफिला मंगलवार को इस्लामाबाद से दासू के लिए जा रहा था, तभी शांगला बेशम शहर के बाद इस पर आत्मघाती हमला हुआ था। हमले में इंजीनियरों को ले जा रहे पाकिस्तानी ड्राइवर की भी मौत हुई है। पाकिस्तान में मौजूद चीन के दूतावास ने एक बयान में कहा कि 26 मार्च को स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1 बजे दासू हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट में काम कर रहे स्टॉफ को ले जा रही चीनी कंपनी की बस खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादी हमले का शिकार हो गई। हादसे में 5 चानी नागरिक और एक पाकिस्तानी हमले में मारे गए हैं। पाकिस्तान में मौजूद चीनी दूतावास और कॉन्सुलेट ने पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वे पाकिस्तानी पक्ष के साथ मिलकर स्थिति को संभालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

मेरे पास लोस चुनाव...

उन्होंने मेरी दलील स्वीकार कर ली... इसलिए मैं चुनाव नहीं लड़ रही हूं। जब उनसे पूछा गया कि देश की वित्त मंत्री के पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त फंड क्यों नहीं है तो उन्होंने कहा कि भारत की संचित निधि उनकी नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरा वेतन, मेरी कमाई और मेरी बचत मेरी है, भारत की संचित निधि नहीं। सत्तारूढ़ भाजपा ने 19 अप्रैल से शुरू होने वाले आगामी लोकसभा चुनावों में कई मौजूदा राज्यसभा सदस्यों को मैदान में उतारा है। इनमें पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, राजीव चंद्रशेखर, मनसुख मंडाविया और ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं। सुश्री सीतारमण कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य हैं। मंत्री ने कहा कि वह अन्य उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं कई मीडिया कार्यक्रमों में भाग लूंगी और उम्मीदवारों के साथ जाऊंगी - जैसे कल मैं राजीव चंद्रशेखर के प्रचार के लिए जाऊंगी। मैं प्रचार अभियान में रहूंगी।

न्यायिक काम में ...

कार्यों की रिपोर्ट करना और उनका जवाब देना है, जो कामों में हस्तक्षेप करना चाहते हैं। यह पत्र न्यायिक मामलों में कार्यपालिका और एजेंसियों के हस्तक्षेप को उजागर करता है, जिसमें एक केस के संबंध में जज पर दबाव बनाने के लिए हाई कोर्ट के जज के बहनोई का अपहरण और यातना भी शामिल है। जजों द्वारा लिखा गया यह पत्र ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि यह आधिकारिक तौर पर न्यायपालिका के मामलों में कार्यकारी और खुफिया एजेंसियों के कथित तौर शामिल होने की बात उजागर करता है। इसके अलावा जजों के खिलाफ कार्रवाई करने और ऐसे मामलों पर गाइडेंस लेने लिए एसजेसी का समर्थन मांगता है। जजों ने कहा कि वे यह भी देख रहे हैं कि एसजेसी द्वारा जजों के लिए निर्धारित आचार संहिता इस बात पर कोई मार्गदर्शन नहीं देती है कि जजों को उन घटनाओं पर कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए या रिपोर्ट करनी चाहिए, जो धमकी जैसे हैं और न्यायिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करते हैं। पत्र में जजों ने कहा कि उनका मानना है कि इस मामले की जांच करना और यह निर्धारित करना जरूरी है कि क्या राज्य की एक्जिक्यूटिव ब्रांच की तरफ से कोई पॉलिसी है, जिसे एक्जिक्यूटिव ब्रांच को रिपोर्ट करने वाले इंटेलिजेंस अधिकारियों द्वारा जजों को डराने-धमकाने के लिए लगाया जाता है। बता दें कि पाकिस्तान में जजों के द्वारा यह अपील सुप्रीम कोर्ट के द्वारा पूर्व आईएचसी जज शौकत अजीज सिद्दीकी को हटाने को अवैध घोषित करने के कुछ दिनों बाद आया है। आदेश में कहा गया है कि अब शौकत अजीज सिद्दीकी को रिटायर्ड जज माना जा सकता है। शौकत अजीज सिद्दीकी को 11 अक्तूबर, 2018 को एसजेसी द्वारा रावलपिंडी बार एसोसिएशन में उनके द्वारा दिए गए एक भाषण के आधार पर बर्खास्त कर दिया गया था। यहां दी गई स्पीच में उन्होंने आईएसआई पर आरोप लगाया था कि एजेंसी अदालती कार्यवाही को प्रभावित करने और अपने पसंद की बेंच बनाने की कोशिश कर रही है।

केजरीवाल 1 अप्रैल...

अनुरोध करते हुए कहा कि मामले से जुड़े कुछ लोगों से उनका आमना-सामना कराने की जरूरत है। ईडी ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल जवाब देने में टालमटोल कर रहे हैं और अपने डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड का खुलासा नहीं कर रहे हैं। केजरीवाल ने अपनी दलील में कहा कि आबकारी नीति मामले में चार गवाहों ने मेरा नाम लिया है। क्या किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए चार बयान पर्याप्त हैं? केजरीवाल ने आरोप लगाया कि शरत चंद्र रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 55 करोड़ रुपये का चंदा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे पास इसके सबूत हैं। लेन देन साबित हो चुका है क्योंकि उन्होंने (रेड्डी) गिरफ्तारी के बाद धनराशि दान की थी। रेड्डी अरबिंदो फार्मा लिमिटेड के निदेशक हैं और मामले में सह-आरोपी से सरकारी गवाह बने लोगों में से एक हैं। केजरीवाल ने कहा कि देश के सामने आम आदमी पार्टी के भ्रष्ट होने की झूठी तस्वीर पेश की गई है और वह ईडी की जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। केजरीवाल ने कोर्ट के समक्ष अपनी गिरफ्तारी का विरोध करते हुए कहा कि मुझे गिरफ्तार क्यों किया गया जबकि किसी भी अदालत ने मुझे दोषी नहीं माना है। ईडी की मंशा मुझे अरेस्ट करने की थी। मेरा नाम सिर्फ चार लोगों के बयान में आया। जिन लोगों ने मेरे पक्ष में बयान दिया था उनके बयान जबरन मेरे विरोध में दिलावाए गए हैं। इस पर जज ने कहा कि आपने लिखित में बयान क्यों नहीं दिए। इससे पहले कोर्ट में जाते वक्त मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए केजरीवाल ने कहा कि यह राजनीतिक षड्यंत्र हैं और जनता इसका जवाब देगी। केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया गया। इस दौरान अदालत में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी, गोपाल राय और सौरभ भारद्वाज के साथ ही मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी थीं। अदालत के सूत्रों ने कहा कि ईडी मुख्यमंत्री की हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग कर सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को गिरफ्तार किया था और बाद में यहां एक अदालत ने मुख्यमंत्री को 28 मार्च (आज) तक एजेंसी की हिरासत में भेज दिया था। आप नेताओं ने कई मौकों पर केजरीवाल के इस्तीफे से इनकार किया और जोर देकर कहा कि वह (केजरीवाल) जेल के अंदर से अपनी सरकार चलाएंगे। उपराज्यपाल सक्सेना ने बुधवार को कहा था कि मैं दिल्ली के लोगों को आश्वस्त कर सकता हूं कि सरकार जेल से नहीं चलेगी।

अरुणाचल : चकमा समाज के उम्मीदवार के नामांकन पर आपसू ने जताया विरोध

इटानगर (हिंस)। ऑल अरुणाचल प्रदेश स्टूडेंट्स यूनियन (आपसू) ने आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के लिए 49वीं डियून बोरडूमसा (एसटी) विधानसभा क्षेत्र के लिए दृश्यमुनि चकमा द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने पर कड़ा विरोध जताया है। चकमा समाज द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने की जानकारी मिलने के बाद आज आपसू द्वारा आज नेफा क्लब भवन में एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद आपसू के महासचिव रितुम ताली ने दृश्यानुमी चकमा के नामांकन पत्र का कड़ा विरोध किया। ज्ञात हो कि दृश्यमुनि चकमा आगामी राज्य विधानसभा चुनाव में चांगलांग जिला के 49वीं डियून बोरडूमसा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से लड़ने की योजना बना रहे हैं। इस बीच आपसू पहले से ही चकमा समाज का विरोध कर रहा है। आपसू ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग चकमा के नामांकन पत्र को खारिज करने की अपील की है। साथ ही आपसू ने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि सरकार और चुनाव आयोग चकमा के नामंकन को खारिज करने में विफल होते हैं तो निर्वाचन भवन, इटानगर को बंद कर दिया जाएगा। इसके अलावा चकमा के नामांकन पत्र को स्वीकर करने वाले चांगलांग जिला के उपायुक्त और रिटर्निंग अधिकारी की जांच की मांग की है।

मणिपुर में दो यूएनएलएफ-के कैडर समेत चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही उग्रवादियों के पकड़े जाने का सिलसिला जारी है। इसी सिलसिले में सुरक्षाबलों के एक अभियान में दो यूएनएलएफ-के कैडर समेत चार उग्रवादियों को पकड़ा है। इनके पास से तीन एसएलआर राइफलें सहित अन्य सामान बरामद किया है। मणिपुर पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के आईवी रोड, मोइरांग थोया से ट्रोंग्लाओबी तक चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान सलाम रमेश्वर सिंह (48), टोंगब्रम ज्ञानजीत सिंह उर्फ चिंगलेनसाना (39, यूएनएलएफ-के

कैडर), पुख्रेम इंगोचा सिंह (40) और थोकचोम टेम्बा उर्फ वाखेइबा (50, यूएनएलएफ-के कैडर) के रूप में की गई है। पुलिस ने इनके पास से तीन एसएलआर राइफलें, चार खाली मैगजीन, 20 लाइव राउंड, सात मोबाइल फोन, बाओफेंग वॉकी टॉकी सेट और दो कारें, बैग और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों में छह महीने के लिए बढ़ा आफ्सपा

इटानगर (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश के तीन जिलों में सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम (आफ्सपा) की मियाद को अगले छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। यह आदेश एक अप्रैल से तीन जिलों और दूसरे जिले के तीन पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में प्रभावी होगा। गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार ने आफ्सपा की धारा 3 के तहत अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए अरुणाचल प्रदेश में तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों के साथ-साथ नामसाई जिले के महादेवपुर और चौखम पुलिस स्टेशनों को *अशांत क्षेत्र* के रूप में घोषित किया गया है।

रंगिया में सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

रंगिया। आज रंगिया कांग्रेस में सदस्यो के बीच भारी कटाव देखा गया। युवा कांग्रेस नेताओं सहित सैकड़ों लोग भाजपा में शामिल हो गए। उधर, रंगिया में भी मुसलमान मतदाता भाजपा को काफी पसंद कर रहे हैं। आज हजारों मुस्लिम महिलाएं औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हुई। यह दृश्य रंगिया में आयोजित भाजपा की बूथ कार्यकर्ता बैठक में देखा गया। भाजपा के दिलीप सैकिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता, राज्य भाजपा के संगठन सचिव रवींद्र राजू और अन्य सहित कई भाजपा नेताओं की उपस्थिति में शामिल हुए।

इंफाल पूर्व में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किए गए। इसी सिलसिले में मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के ब्लॉकलामलेन रिज से एक कार्बाइन मशीन गन के साथ एक मैगजीन, दो स्थानीय निर्मित हथगोले, चार्जर के साथ एक वॉकी टॉकी, 24 जीवित गोला बारूद राउंड तथा एक बम (रेड सिग्नल मोर्टार) बरामद किया गया। दूसरी ओर तलाशी अभियान के दौरान एक देशी राइफल एक खाली मैगजीन के साथ, एक 9 एमएम एसएमजी कार्बाइन एक खाली मैगजीन के साथ, एक पिस्तौल एक खाली मैगजीन के साथ, बिना डेटोनेटर के 20 एचई-हैंड ग्रेनेड, छह 51 एमएम एचई मोर्टार गोला बारूद इंफाल पूर्व जिले के पांगेई की तलहटी से बरामद किया गया। छापामारी अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

लोस चुनाव-24: बीपीएफ की गोसाईगांव चुनाव प्रबंधन समिति गठित

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। लोकसभा चुनाव को सही तरीके से संपन्न कराने के लिए बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) की शराईबिल प्रखंड चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया गया। बीपीएफ के सूत्रों ने आज बताया है कि शराईबिल परिषद क्षेत्र के पार्षद एवं पूर्व कार्यकारिणी सदस्य मृत्युंजय नार्जारी की अध्यक्षता में गोसाईगांव के टीपी रोड स्थित पार्टी कार्यालय में बुधवार की देर शाम को कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में 51 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया गया। जिसमें मकेंद्र नार्जारी को अध्यक्ष और रिजवान अहमद को संयोजक बनाया गया। इसके बाद नवगठित चुनाव प्रबंधन समिति के

नेतृत्व में बीपीएफ पार्टी कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को बीपीएफ के सिद्धांतों के बारे में समझाया और मतदाताओं से आगामी लोकसभा चुनाव में बीपीएफ प्रत्याशी खम्फा बरग्यारी को भारी अंतर से विजयी कराने की अपील की। बीपीएफ केंद्रीय चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और पूर्व विधायक थानेश्वर बसुमतारी पार्टी के पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने पार्टी के बूथ, ब्लॉक और जिला स्तर के कार्यकर्ताओं और समर्थकों से पार्टी के लिए काम करने का आग्रह किया। इस बीच, गोसाईगांव जिला बीपीएफ की गुमा ब्लॉक चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के रूप में बीपीएफ के वरिष्ठ नेता परेश चंद्र ब्रह्म की अध्यक्षता में 45 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया गया, रजनीकांत नार्जारी को जामद्वार ब्लॉक चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष बनाया गया। इसी तरह कचुगांव ब्लॉक इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया गया, जिसमें नरसिम्हा ग्यारी को अध्यक्ष, मकबूल हुसैन को संयोजक बनाया गया। वहीं श्रीरामपुर ब्लॉक इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया गया, जिसमें एलेक्सियास मुर्मू को अध्यक्ष और मुजीबुर रहमान को संयोजक बनाया गया।

रंगिया : कामरूप जिला दिवस का आयोजन 31 को

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले का जिला दिवस पिछले वर्षों की तरह इसवर्ष भी आगामी 31 मार्च को मनाया जाएगा। जिला दिवस कामरूप जिला प्रशासन द्वारा अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के परिसर में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत उक्त दिवस पर सुबह 10 बजे अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के परिसर में बीर लाचित बरफुकन की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। मौके पर आमंत्रित वक्ता कार्यक्रम के संयोजन में *कामरूप जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि* और *कामरूप जिले के पर्यटन* शीर्षक विषय पर भाषण प्रदान करेंगे। इसके अलावा, जिला दिवस कार्यक्रम में आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर मतदान प्रक्रिया में सार्वजनिक भागीदारी के महत्व पर जागरूकता पैदा करने के लिए स्वीप के तहत बैलून और संगीत के उन्मोचन के साथ ब्रांड एम्बेसडर का परिचय व सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। जिला दिवस के अवसर पर दर्शकों के बीच ओपन क्विज प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इस मौके पर जिला परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा पर जागरूकता पैदा करने के लिए एक स्ट्रीट प्ले का भी आयोजन करेगा। इनके अलावा, 31 मार्च की सुबह एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के परिसर से पसरिया का आलाबेई रण स्मारक क्षेत्र तक एक साइकिल रैली और रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली द्वारा सभी लोगों के सक्रिय सहयोग और उपस्थिति की कामना की गई है।

राष्ट्रीय उलेमा परिषद के उम्मीदवार रेजाउल हक ने भाजपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

नगरबेड़ा (विभास)। हाल ही में आयोजित होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के साथ-साथ नंबर 5 गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र में चुनावी हवाएं तेज हो रही हैं। निर्वाचन क्षेत्र में, विशेष रूप से भाजपा उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा विपक्षी एकता मंच की एक संयुक्त उम्मीदवार मीरा बरठाकुर ने निर्वाचन क्षेत्र के हर कोने में अपना चुनाव प्रचार जारी रखा। इस निर्वाचन क्षेत्र में हाल के दिनों में राष्ट्रीय उलेमा परिषद (आरयूसी) के उम्मीदवार रेजाउल हक ने भी प्रचार किया। आज निर्वाचन क्षेत्र के नगरबेरा में राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल पार्टी के उम्मीदवार रेजाउल हक ने प्रेस कांफ्रेंस कर कांग्रेस और बीजेपी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अतीत में कांग्रेस पार्टी को भी लोगों ने सत्ता में लाकर

के देखा है। इस पार्टी ने सत्ता में रहकर खासकर अल्पसंख्यक लोगों के लिए कुछ नहीं किया। कांग्रेस ने केवल वोट के लिए एनआरसी, डी मतदाताओं की समस्याओं का समाधान नहीं किया। इसके परिणामस्वरूप, अल्पसंख्यक लोगों को विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा विपक्षी एकता मंच की साझा उम्मीदवार मीरा बरठाकुर आगामी लोकसभा चुनाव में गुवाहाटी लोकसभा सीट से कोई फैक्टर नहीं होंगी। उन्होंने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिश्व शर्मा के मुस्लिम और मामा-चाच्चा का वोट नहीं चाहिए बोलके कहने के बाद भी भाजपा का समर्थन कर रहे हैं यह दुर्भाग्य का विषय है। प्रेस कांफ्रेंस में रिजाउल हक ने आगे कहा कि बेरोजगारी, बाढ़-कटाव की समस्याओं, संचार और परिवहन समस्याओं और स्वच्छ पेयजल समस्याओं जैसी विभिन्न समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से पहले से ही लोगों तक पहुंचने वाले मतदाताओं तक पहुंचकर आशीर्वाद और समर्थन मिलने से मुझे राहत मिली है। संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस सीट पर उनका मुख्य मुकाबला भाजपा उम्मीदवार बिजली कलिता मेधी से होगा।

सैन्य अभ्यास से लोगों के घर पर गिरा मोर्टार

रंगिया। रंगिया महकमा के निकटवर्ती तामुलपुर महकमा के भूटान सीमा पर पहाड़पुर नंबर 1मे आज एक घटना हुई। प्राप्त जानकारी में सूकानजुली फायरिंग रेंज से दागा गया मोर्टार लोगों के घरों में फट गए। जिसमे पहाड़पुर नंबर 1 के मंगल बहादुर सुब्बा नाम के एक व्यक्ति के परिवार के कई सदस्यों की जान बच गई। यह घटना भारतीय सेना द्वारा नियमित हथियार अभियास के दौरान हुई। मालुम हो कि विगत समय में भी कई बार सेना के अभ्यासों के दौरान जन क्षेत्रों में बारूद के विस्फोट की कई दुर्घटनाएं हुई हैं। (नि सं)

विश्वनाथ में रौनियार एकता महिला मंच का होली मिलन समारोह आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि शहर के गौरीशंकर भवन में कल रौनियार एकता महिला संगठन बिश्वनाथ जिला समिति के सौजन्य से महिला श्रद्धालुओं द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन गया। संगठन के के कार्यकारिणी सदस्या ऊषा रौनियार ने होली के रंगारंग गीत की प्रस्तुति दी। इसके मौके पर संगठन के सभी महिलाओं ने आनंद का लुप्त उठाया। सभी ने एक दूसरे को होली मिलन की हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त की। साथ ही सभी मिलकर एक दूसरे के गालों में रंगारंग अबीर लगाकर नृत्य भी की। इस मौके पर महिला समिति की अध्यक्ष सुनैना रौनियार, उपाध्यक्ष

ऊषा रौनियार, सचिव सुनीता रौनियार, सह सचिव क्रमशः ममता रौनियार, वीणा रौनियार, कोषाध्यक्ष क्रमशः रानी रौनियार व पुनम रौनियार, कार्यकारिणी सदस्य माला रौनियार, रीता रौनियार, मुन्नी रौनियार, किरण रौनियार, रुक्मिणी रौनियार, ऊषा रौनियार, प्रमीला रौनियार, माया रौनियार, विजय लक्ष्मी रौनियार, मंजु रौनियार, इंदु देवी, शिव कुमारी रौनियार, दुर्गावती रौनियार, रेखा रौनियार, मीरा रौनियार, कुसुम देवी, मंजु देवी, रुपा गुप्ता, लक्ष्मी देवी, महिला मौजूद थीं।

भाजपा के तत्वावधान में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन

रंगिया (विभास)। आगामी चुनाव के मद्देनजर भाजपा द्वारा बृहस्पतिवार को रंगिया में एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन कर चुनावी शंखनाद किया गया। रंगिया के सेप्टी में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के अंतर्गत 254 बूथों के चार हजार से भी अधिक पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, 4 नंबर दरंग- उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार दिलीप सैकिया, राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता, प्रदेश भाजपा के सांगठनिक सचिव रवीन्द्र राजू, कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिगंत कलिता, कोच राजबंशी विकास परिषद के अध्यक्ष प्रणव नारायण, भाजपा उत्तर कामरूप जिला अध्यक्ष सुबल पाल सहित कई अन्य नेता तथा पदाधिकारी उपस्थित रहते हुए सभी कार्यकर्ताओं को आगामी चुनाव के लिए सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही भाजपा उम्मीदवार दिलीप सैकिया ने

आगामी लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को वोट देने का सभी से आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के पूर्व मौके पर दरंग उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार दिलीप सैकिया श्रीमंत शंकरदेव संघ रंगिया जिला नामघर में उपस्थित हुए और प्रणाम कर अपना अभियान कार्य शुरू किया।

श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ संपन्न

गुवाहाटी। स्थानीय फैंसी बजार स्थित श्री दिगंबर जैन (बड़ा) मंदिर में स्थानीय पंडित संतोष कुमार शास्त्री के निर्देशन में श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पंडित संतोष कुमार शास्त्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा की इस विधान में सिद्धों की आराधना करने से व्यक्ति के रोग-शोक, ताप-संताप सभी नष्ट हो जाते हैं। पाप पुण्य में बदलने लगता हैं। मन, बुद्धि व चित निर्मल होने लगता है। जीवन में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के भाव उत्पन्न होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि हवन-यज्ञ से वातावरण एवं वायुमंडल शुद्ध होने के साथ-साथ आत्मिक बल मिलता है तथा मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने इस विधान में भाग लेने वाले सभी भक्तगण के पुण्य की अनुमोदना करते हुए होली की शुभकामनाएं दी। यह जानकारी प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

प्रेस क्लब में असमिया पुस्तक *पत्र किय निलिखा होला!* का विमोचन

गुवाहाटी। प्रसिद्ध साहित्यिक एवं उपन्यासकार डॉ. जगदींद्र रायचौधरी की पुस्तक *पत्र किय निलिखा होला?* का विमोचन आज गुवाहाटी प्रेस क्लब किया गया। पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में पूर्व विधायक तथा सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री अजय दत्ता, विशिष्ट साहित्यकार-लेखक डॉ. दयानंद पाठक, वरिष्ठ पत्रकार बिपुल शर्मा, पूर्व आयुक्त सचिव रमेंद्र कुमार दास समेत कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पुस्तक का विमोचन कर पूर्व विधायक तथा सामाजिक कार्यकर्ता पद्मश्री अजय दत्ता ने डॉ. रॉयचौधरी के बहुमुखी व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए आज की तेजी से बदलती दुनिया में विलुप्त होती जा रही पत्र लेखन की परंपरा पर चिंता व्यक्त की। प्रबुद्ध लेखक डॉ. दयानंद पाठक ने कहा कि डॉ. रॉयचौधरी विज्ञान के विद्यार्थी होते हुए भी साहित्यिक रचना में सिद्धहस्त होना उनका बहुमुखी व्यक्तित्व का परिचायक है। उनकी रचनाओं में वैज्ञानिक मानसिकता का प्रतिफलन

देखने को मिलता है। श्रीमंत शंकरदेव के जीवन पर आधारित उनका उपन्यास इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही वे अपने विद्यार्थी जीवन के दौरान लिखे गए पत्र-व्यवहार का उल्लेख करते हुए भावुक हो गए। पूर्व आयुक्त सचिव रमेंद्र कुमार दास ने अपने भाषण में पुस्तक का संक्षेप में सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने अपने छात्र जीवन के दौरान अपने दोस्तों को लिखे पत्रों के बारे में भी उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने सन 1948 में भवेंद्र नाथ शैकिया का पहला जासूसी उपन्यास पुथिघर प्रेस द्वारा प्रकाशित करने का उल्लेख करते हुए इस प्रेस की ऐतिहासिकता का बखान किया। वरिष्ठ पत्रकार बिपुल शर्मा ने अपने छात्र जीवन में पत्र लेखन के कुछ पहलुओं का हास्यपूर्वक वर्णन किया। उन्होंने नेहरू द्वारा उनकी बेटी इंदिरा को लिखे पत्रों से लेकर पटेल के नेहरू को लिखे राजनीतिक पत्रों और लीला गोगोई द्वारा लिखे गए *नीला खामर चिठी* (असमिया) तक हर प्रसंगों का उल्लेख किया। उन्होंने डॉ. रॉयचौधरी के प्रयास के लिए बधाई दी। पुस्तक के लेखक डॉ. जगदींद्र रॉय चौधरी ने पुस्तक की पृष्ठभूमि के बारे में दर्शकों को जानकारी दी। आज की बैठक में पुस्तक में उल्लिखित स्वर्गीय गौरीमा बरदोलोई के परिवारवालों से मिलने का अवसर पाकर उन्होंने स्वयं को धन्य महसूस किया। पुस्तक का प्रकाशन पुथिघर प्रकाशन की स्वत्वाधिकारी प्रियंबदा शाइकिया बोरा ने पाठकों को इस तरह के अनोखे उपहार प्रदान करने के लिए लेखक की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाठकगण इस पुस्तक को स्वीकार करेंगे तभी उनके प्रयास सार्थक होंगे।

संपादकीय

भाजपा की खातिरदारी में

पौधे फिर से जमीन से, उखड़े अपनी जमीर पर। कौन किसको झटका दे गया, कौन दे रहा और कौन दे पाएगा, इसको लेकर हिमाचल की राजनीति को खुद पर संशय है। भाजपा लगातार कांग्रेस को हैरान करने के सामथ्य में, अधिकांश भाजपाइयों को परेशान करने की जहमत उठा रही है। ऐसा जिगरा राजनीति के संदर्भों को पलटी मार रहा है या फैसलों की फेहरिस्त में अति आत्मविश्वास का खतरा पनप रहा है। पहले मंडी से कंगना और कांगड़ा से डा. राजीव भारद्वाज को उतार कर भाजपा ने कई कतारबद्ध पंक्तियां तोड़ी हैं, तो अब कल तक कांग्रेस के बागी विधायक ठहराए गए, आगामी उपचुनाव के गाल सहलाते हुए भाजपा के उम्मीदवार बने हैं। सभी छह पूर्व कांग्रेसी विधायक भाजपा की गलबहियों में ऐसा भविष्य संवारना चाहते हैं, जिसकी परिणति में अतीत और वर्तमान का बैर चस्पां है। इस फैसले का रायता कितना फैलता है, कुछ अंदाजा बेचारे मेहमानों के स्वागत पर छाई मायूसी बता रही है। पहले सवाल पचाने का है, फिर आगे बढ़ाने का है। ऐसा भी नहीं कि भाजपा की खातिरदारी में कोई कमी रहेगी, लेकिन चूल्हे पर चढ़ी तरकारी शिकायत कर रही। कमाल तो यह कि भाजपा द्वारा छह के छह पूर्व कांग्रेसी विधायकों को अपनाने के अपनत्व का घनत्व, गहरे राज लिए है। यह फांस किसके लिए संपूर्ण क्रांति लाती है, यह कहना ठीक से भले ही मुश्किल हो, लेकिन दलबल का जादू शीर्षासन अवश्य कर रहा है। नई संगत में पारंगत होने की चुनौती देवेंद्र कुमार भुट्टो, चैतन्य शर्मा, रवि कुमार, इंद्रदत्त लखन पाल, राजिंद्र राणा से सुधीर शर्मा तक है, तो इसकी सबसे बड़ी वजह भाजपा के भीतर ठनक रही थाली बता रही है। कुछ तो है तेरे मदीने में, वरना लोग क्यों घुटनों के बल फरियाद करते। जो आशंकाएं कंगना रनौत के आने से मंडी महसूस कर रही थी, उसका समाधान सोशल मीडिया कर रहा है। कंगना बनाम सुप्रिया श्रीनेत विवाद में झूमती राजनीति बता रही है कि उम्मीदवार दिया है तो भाजपा ने इंतजाम भी किया है। इसी तरह उपचुनाव में कांग्रेस के पूर्व विधायक झौंके हैं, तो घर और बाहर झाड़ का इंतजाम किया है। यह सिर्फ नहले पे दहला का चुनाव न होता तो हिमाचल में सत्तारूढ़ कांग्रेस राज्यसभा की सीट न गंवाती, लेकिन इस बार चुनावी घालमेल में बड़ा व्यापार और हिसाब होगा। यह हिसाब कांग्रेस को लगाना है कि अपने ही विधायकों द्वारा खाली की गई सीटों पर अब किसे खड़ा करे। दूसरी ओर भाजपा को अपना राजनीतिक व्यापार दिखा कर घर को शांत और कांग्रेस के मोहल्ले को परेशान कैसे करना है। मंडी की सीट पर कंगना रनौत के बहाने स्त्री अस्मिता के प्रश्न पैदा करके भाजपा ने अपने चक्रव्यूह की रेंज बता दी है। पार्टी के पुराने घोड़े भले ही भगदड़ की चेतावनी दे रहे हैं, लेकिन भाजपा के अस्तबल में नए दौड़ रहे हैं। आखिर जनता केंद्र में जिसकी सरकार आने का सोच रही है, उसी की निगाह में उपचुनाव तौले जाएंगे। अगर दिल्ली में परिवर्तन की सुगबुगाहट सुनाई दी, तो सुक्खू के दिशा परिवर्तन में उपचुनाव लिखे जाएंगे, वरना फिर हिमाचल का मन ये उपचुनाव बताएंगे। आंकड़ों की रद्दोबदल में आरंभिक तौर पर कांग्रेस को बस एक कदम जीतना है, लेकिन दूसरे पलड़े का बढ़ता बोझ जख्मों को कितना सालता है, यह भी देखना है। कहना न होगा कि भाजपा फिर से घेराबंदी की फितरत में कांग्रेस को नचा सकती है, लेकिन इस बार घर के भीतर उठते बवाल को भी तो काबू में रखना होगा। निश्चित रूप से कांग्रेस के बागी विधायक इतने भी हल्के नहीं कि अपने हलकों में यूं ही शून्य हो जाएंगे। उन्हें सिर्फ यह वजह बतानी है कि क्यों अपनी ही सरकार की वजह से वे दरकिनार हुए। उनके पास सरकार के विरोध में सिर्फ तकरार नहीं, जनापेक्षाओं से जुड़े आंदोलन भी हैं। अपनी ही डेढ़ साल की सरकार की डींगों को पीटने के लिए मुद्दों के जमात, ये विरोधी उपचुनाव भी तो साबित हो सकते हैं।

भाजपा लगातार कांग्रेस को हैरान करने के सामथ्य में, अधिकांश भाजपाइयों को परेशान करने की जहमत उठा रही है। ऐसा जिगरा राजनीति के संदर्भों को पलटी मार रहा है या फैसलों की फेहरिस्त में अति आत्मविश्वास का खतरा पनप रहा है। पहले मंडी से कंगना और कांगड़ा से डा. राजीव भारद्वाज को उतार कर भाजपा ने कई कतारबद्ध पंक्तियां तोड़ी हैं, तो अब कल तक कांग्रेस के बागी विधायक ठहराए गए, आगामी उपचुनाव के गाल सहलाते हुए भाजपा के उम्मीदवार बने हैं। सभी छह पूर्व कांग्रेसी विधायक भाजपा की गलबहियों में ऐसा भविष्य संवारना चाहते हैं, जिसकी परिणति में अतीत और वर्तमान का बैर चस्पां है। इस फैसले का रायता कितना फैलता है, कुछ अंदाजा बेचारे मेहमानों के स्वागत पर छाई मायूसी बता रही है। पहले सवाल पचाने का है, फिर आगे बढ़ाने का है। ऐसा भी नहीं कि भाजपा की खातिरदारी में कोई कमी रहेगी, लेकिन चूल्हे पर चढ़ी तरकारी शिकायत कर रही।

कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है

राजस्थान में वसुंधरा समर्थक सांसदों का सफाया

रमेश सर्राफ धमोरा

पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के सभी समर्थक सांसदों के टिकट काट दिए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के बड़ी संख्या में टिकट काटे गए थे। अब लोकसभा चुनाव में भी उनके समर्थकों का सफाया हो गया है। सिर्फ वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह को झालावाड़ से पांचवीं बार सांसद का टिकट मिला है। श्रीगंगानगर सीट पर पांच बार के मौजूदा सांसद निहालचंद मेघवाल का टिकट काटकर अनूपगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष प्रियंका बैलान को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रियंका बैलान प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सीपी जोशी के साथ युवा मोर्चा में प्रदेश सचिव रह चुकी है। निहालचंद मेघवाल 1996, 1999, 2004, 2014 व 2019 में सांसद व 1998 में रायसिंह नगर से विधायक रह चुके हैं। उनके पिता बेगाराम चौहान 1977 में जनता पार्टी से व 1989 में जनता दल से सांसद व 1972 में रायसिंह नगर से स्वतंत्र पार्टी की टिकट पर विधायक रह चुके हैं। निहालचंद के भाई लालचंद चौहान भी 2003 में रायसिंह नगर से भाजपा के विधायक रह चुके हैं। ऐसे में निहालचंद मेघवाल का टिकट काटने का सिर्फ एक ही कारण रहा है। उनका वसुंधरा राजे गुट में होना। कांग्रेस ने वहां से कुलदीप इंदौरा को प्रत्याशी बनाया है। चूरू से भाजपा के दो बार सांसद रहे राहुल कस्वां का टिकट काटने का भी मुख्य कारण वसुंधरा राजे के नजदीकी होना था। राहुल कस्वां चूरू में मजबूत जनाधार वाले नेता माने जाते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौड़ के तारानगर से चुनाव हारने के चलते राहुल कस्वां का टिकट काटा गया है। राहुल कस्वां स्वयं 2014 व 2019 में चूरू से भाजपा टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चूरू से चार बार सांसद व सादुलपुर से विधायक रह चुके हैं। राहुल कस्वां के दादा दीपचंद कस्वां 1980 में सादुलपूर सीट से निर्दलिय व राहुल कस्वां की माता कमला कस्वां 2008 में सादुलपुर से भाजपा की विधायक रह चुकी है। उनकी माता कमला कस्वां चूरू की

जिला प्रमुख व पंचायत समिति प्रधान भी रही हैं। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनकड़ के दामाद है। फिर भी उनका टिकट काटकर महज राजेंद्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया है। अब राहुल कस्वां कांग्रेस टिकट पर चूरू लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। झुंझुनू से नरेंद्र कुमार खीचड़ का टिकट काटकर उदयपुरवाटी से पूर्व में विधायक रहे शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र खीचड़ भी वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव से पहले स्वयं वसुंधरा राजे ने उनको भाजपा में शामिल करवा कर 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा टिकट पर प्रत्याशी बनवाया था। 2019 में उन्हें वसुंधरा राजे की सिफारिश पर ही लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया था। झुंझुनू में कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के सुपुत्र विजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया है। जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा से दो बार लगातार सांसद व पूर्व जिला प्रमुख रहे रामचरण बोहरा का टिकट काटकर मंजू शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया हैं। रामचरण बोहरा वसुंधरा राजे के नजदीकी लोगों में शुमार होते थे तथा उनके हर कार्यक्रम में पूरी सक्रियता से भाग लेते थे। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। हालांकि मंजू शर्मा भी भाजपा के तीन बार प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा की सभी सरकारों में मंत्री रहे दिग्गज नेता भंवरलाल शर्मा की पुत्री है तथा 2008 में हवामहल सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी बृजकिशोर शर्मा से मात्र 580 वोटो से चुनाव हार गई थी। चर्चा है कि मंजू शर्मा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सिफारिश पर भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया है। दौसा से भाजपा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काट दी गयी है। जसकौर मीणा पूर्व में सवाई माधोपुर से सांसद व बाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री रह चुकी है। वह वसुंधरा राजे के नजदीकी मानी जाती है। दौसा सीट पर वर्तमान सांसद जसकोर मीणा अपनी पुत्री अर्चना मीणा को टिकट दिलवाना चाहती थी। वहीं राजस्थान सरकार में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा अपने भाई जगमोहन मीणा को टिकट दिलवाना चाहते थे। ऐसे में भाजपा ने वहां से चार बार विधायक व मंत्री रह चुके कन्हैयालाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस ने दौसा से मौजूदा विधायक मुरारीलाल मीणा को प्रत्याशी बनाया है। करौली-धौलपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने मौजूदा सांसद मनोज राजोरिया का टिकट काट कर पूर्व प्रधान इन्दु देवी जाटव को प्रत्याशी बनाया है। मनोज राजोरिया 2014 व 2019 में सांसद बनने में सफल रहे थे। उनका वसुंधरा राजे के प्रति जुड़ाव किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसी के चलते उनका टिकट काटा गया है। उदयपुर सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां से लगातार दो बार सांसद रहे अर्जुनलाल मीणा का टिकट काटकर उनके स्थान पर परिवहन विभाग में कार्यरत मन्नालाल रावत को उम्मीदवार बनाया गया है। अर्जुन लाल मीणा वसुंधरा राजे गुट के माने जाते हैं। इसी के चलते उनका टिकट काट दिया गया है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा को प्रत्याशी बनाया है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट पर मौजूदा सांसद कनकमल कटारा का टिकट काटकर कांग्रेस से भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को प्रत्याशी बनाया गया है। मालवीय प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पसंद माने जाते हैं। भीलवाड़ा लोकसभा सीट पर लगातार दो बार से सांसद बनते आ रहे सुभाष बहेड़यि का टिकट कटना भी तय माना जा रहा है क्योंकि यहां से अभी तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं हो पाई है।

दृष्टि कोण

चुनौतियां अपार, आकर्षण बरकरार

पहाड़ों की ऊंचाइयों को फतह कर चोटी पर पहुंचने की चाहत हमेशा से मनुष्य को कुछ अद्भुत कर गुजरने के लिए प्रोत्साहित करती रही है। इसलिए संसाधनों के अभाव के बावजूद विश्व के दुर्गम इलाकों तक भी मनुष्य ने अपने जोश और जुनून के चलते पहुंच बनाई है। चाहे वह एवरेस्ट पर्वत हो अथवा उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों की खोज, कुछ हटकर करने की चाहत के चलते ही हजारों लोगों ने अपने नाम गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकॉड्र्स में दर्ज करवाने में सफलताएं हासिल की हैं। आज भी भारत और हिमाचल सहित अनेक राज्यों में ऐसे दर्शनीय स्थल हैं जहां पहुंचना अभी भी असंभव समझा जाता है। हिमाचल प्रदेश में एक ऐसा ही रमणीय अनछुआ और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर बैजनाथ उपमंडल का बड़ा भंगाल क्षेत्र है जहां सडक़ सुविधा न होने के कारण पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं माना जाता है। हिमालय की धौलाधार श्रृंखला में समुद्र तल से 2550 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बड़ा भंगाल एक सुंदर घाटी है। यह घाटी विशाल पहाड़ों से घिरी हुई है और बर्फ से ढकी चोटियों, हरे-भरे घास के मैदानों और चमचमाती नदियों के मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती है। 169 घरों और 620 के लगभग आबादी वाले बड़ा भंगाल गांव में लोग लगभग 7 महीने ही रहते हैं और जब बर्फ पड़ती है तो अधिकांश लोग बीड़ बिल्लिंग में आ जाते हैं जहां उनके घर हैं अथवा वे किराए के घरों में रहते हैं। इसी प्रकार वहां का स्कूल और पढने वाले बच्चे भी बीड़ स्थित स्कूल में स्थानांतरित हो जाते हैं। यहां पहुंचने के लिए बेहद दुर्गम, ढांकयुक्त खतरनाक दर्रों और पहाड़ों से होकर पहुंचना होता है। ढांकें इतनी खतरनाक कि एक बार पैर फिसला तो फिर बचाने वाला कोई नहीं। रोजगार के नाम पर जंगल से लकडिय़ां चुनना, पशुपालन और भेड़-बकरियां पालना यहां के लोगों की मुख्य गतिविधियां हैं। दुर्गम इलाके में होने की वजह से और सडक़ मार्ग न होने के कारण इस गांव का भारत के शेष क्षेत्रों से संपर्क कटा रहता है। लोगों की आवाजाही बहुत कम है, सर्दियों में केवल बुजुर्ग लोग ही वहां घरों और पशुधन की देखभाल के लिए रह जाते हैं, जिनके समक्ष भयानक सर्दी जनित समस्याएं बरकरार रहती हैं। बड़ा भंगाल में एक आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी, पशु औषधालय, स्कूल, पीडब्ल्यूडी, आईपीएच और इलेक्ट्रिसिटी विभाग के कार्यालय तो हैं, लेकिन वहां कर्मचारियों की कमी खलती है। साईं फाउंडेशन ने वर्ष 2003-04 में 40 किलोवाट का एक हाइडल इलेक्ट्रिसिटी प्रोजेक्ट बड़ा भंगाल में लगाया था, लेकिन बाद में रखरखाव के अभाव के कारण वह बंद पड़ा है। बड़ा भंगाल के लोगों की 9 मांगें हैं जिनमें मुख्यत: सडक़ निर्माण, बिजली घर को ठीक करना, सामाजिक पेंशनधारकों को पेंशन राशि का समयबद्ध वितरण, जिनके बैंक अकाउंट बीड़ में हैं, लेकिन वह पिछले 4 सालों से अस्वस्थ होने की वजह से नहीं जा पा रहे हैं, को हेली सुविधा उपलब्ध करवाना शामिल हैं। बर्फ के दिनों में क्योंकि दो-ढाई सौ लोग ही गांव में रहते हैं, बीमार लोगों को मौके पर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचे, इसके लिए हेली सर्विस की मांग भी प्रमुख है। बड़ा भंगाल गांव में जो हेलिपैड है, उसे मरम्मत की दरकार है ताकि हेलिकॉप्टर की सुरक्षित लैंडिंग हो सके। जब बात पहाड़ों पर चढने की और वादियों को निहारने की और ट्रैकिंग की आती है, तो शायद हिमाचल से बढिया एडवेंचर डेस्टिनेशन कोई दूसरा नहीं हो सकता है। उसमें भी बड़ा भंगाल एक ऐसा क्षेत्र है जिसे अनछुआ और चुनौतीपूर्ण समझते हुए साहसिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले लोग ही वहां पहुंचना पसंद करते हैं। प्रतिवर्ष 200-300 ट्रैकर्स कुल्लू की काली हाण्णिए होली (चंबा) के रास्ते से और मुल्थान वाया थामसर जोत, बड़ा भंगाल पहुंचते हैं। एडवेंचर और ट्रैकिंग में रुचि रखने वाले लोग यहां आते रहते हैं जिनमें विदेशियों की काफी संख्या रहती है। अधिकांश टूरिस्ट और ट्रैकर्स अपने गाइड के साथ ही आते हैं। बड़ा भंगाल गांव की साक्षरता दर कम है। मनोरंजन के कोई साधन नहीं हैं। यहां के अधिसंख्य लोग ठाकुर राजपूत जातियों के हैं जिन्हें सरकार ने ओबीसी कैटेगरी में रखा है, लेकिन इनकी मांग है कि इन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए। बड़ा भंगाल का इलाका वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी के अंतर्गत आता है। इसलिए रास्तों एवं अन्य निर्माण कार्यों हेतु वन विभाग की स्वीकृति की आवश्यकता रहती है। इस प्रक्रिया को सरकार को आसान बनाना चाहिए। जिलाधीश कांगड़ा ने होली-चंबा के रास्ते जाने वाली पैदल पथ की मरम्मत के लिए 5 लाख और सोलर लाइट्स के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की थी। यह प्रसन्नता का विषय है कि इन्वर्टर और अन्य सामग्री घोड़े-खच्चरों द्वारा बड़ा भंगाल पहुंचाई जा चुकी है, जबकि हेलीकॉप्टर के माध्यम से सोलर पैनल भी पहुंचाए जा चुके हैं। हिम ऊर्जा विभाग (हिमाचल प्रदेश) द्वारा 61 लाख रुपए की लागत से 169 सोलर लाइट्स किट्स लगाई जा चुकी हैं। खुशी की बात है कि पिछली सर्दियों से पहले पहले बड़ा भंगाल के सभी 169 घरों में सोलर लाइट्स से घर रोशन हो चुके थे। सेक्रेटरी पीडब्ल्यूडी ने सडक़ निकालने और बंद पड़े सडक़ मार्ग के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के आदेश दिए हैं। हिमाचल सरकार गर्मियों के सीजन में यदि चार महीनों के लिए ही सही ऑनलाइन बुकिंग द्वारा हेलीकाप्टर सेवा और बड़ा भंगाल में पर्यटकों के रहने-खाने की व्यवस्था एक पैकेज के तहत व्यवस्थित तरीके से करे तो निश्चित तौर पर बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आना और ठहरना चाहेंगे, जिससे न केवल बड़ा भंगाल क्षेत्र में पर्यटक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, अपितु राज्य की आर्थिकी को भी मजबूती मिलेगी। इस क्षेत्र की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए।

कुछ अलग

सपने के टूटते कगार

अभी हमने सिर उठाया भी नहीं, कि उससे पहले ही उन्हें खतरा पैदा हो गया, कि ये लोग सिर उठाएंगे तो जीने की राह मांगेंगे। पीठ भरने का वसीला मांगेंगे। खोई हुई जानों का हिसाब मांगेंगे। इसलिए इससे क्या बेहतर नहीं कि ये सिर उसी प्रकार झुके रहें, और अपनी जान और माल की खैर खैरियत हमसे मांगते रहें। आप पूछ सकते हैं, कौनसी जान और कौनसा माल? क्या वह जान जो संक्रमित होकर इसलिए दम तोड़ गई, कि उसके फेफड़ों को चालू रखने के लिए प्राण वायु के सिलेंडर नहीं थे। किस माल की हिफाजत करने की बात कहते हैं आप? सुना नहीं है क्या, जर, जोरू और जमीन पर कब्जा ताकत वाले का होता है। ताकत तो अपने वंश दर वंश हवेलियों वालों को सौंप दी। रजवाड़ाशाही खत्म हो गई। देश के करोड़ों बांके नौजवानों ने एक लंबी लड़ाई लड़ कर सामंतवाद को नेस्तनाबूद कर दिया है। इतिहास ने बताया। फिर यहां बदल कर कहां से नए रजवाड़े और नए सामंत आ गए? ये नाम जनता के राज का लेते हैं और पहले तो उम्र भर अपनी कुर्सी नहीं छोड़ते, फिर वंशगत परम्परा में उनके वारिसों, आने वाले सब वारिसों की वोटों की वसीयत अपने नाम करवा लेते हैं। वोट डालने के दिन नजदीक आते हैं, तो जनता जनार्दन के टूटे सपनों के रूप खण्डहरों की मरम्मत होने लगती है। उन्हें नई वायवीय घोषणाओं की बैसाखियों के साथ खड़ा करके उपलब्धियों का एक नया सब्जबाग बना कर पेश कर दिया जाता है। इस जमाने का कोई भरोसा नहीं है, साब। जाने कब करवट बदल ले। जाने किस दांव अपना हाथ बदल अपनी हार को जीत में बदल दे। वैसे भी जीत का लड्डू हमेशा ही ऊपर वालों के हाथ रहता है। तब भी जब वोटें पडऩे का मौसम करीब आया, और आपने युगों से लम्बित अच्छे दिनों का सपना साकार होने का एक ट्रेलर हमें दिखा दिया और पूरी फिल्म दिखाने का सपना भविष्य के कंधों पर लाद दिया। लेकिन याद रखिए, कल, आज और कल में जो बीत गया वह कल तो कभी मुडक़र आता नहीं और आने वाला कल कभी मिलता नहीं, जब भी मिलेगा, वह यही आज बन कर ही मिलता है। वही रंग उतरा आज जिसमें आने वाले दिनों में अच्छे दिन दे देने के वायदों को दोहराया जाता है। उन लोगों ने दोहराया है, जो बरसों बाद आपका और भी निर्जीव होता चेहरा पहचानने चले आए थे। नए वायदों के कनकौओं के साथ, एक बार फिर से आकाश में उडऩे का एहसास दे रहे हैं। यह वे एहसास हैं जो काम किए बिना देश के आत्मनिर्भर हो जाने की तस्वीर बनाते हैं। आंकड़ों के ऐसे खेल दिखाते हैं कि गिरावट की ओर सटपट भागती अर्थव्यवस्था का शेयर सूचकांक बल्लियों उछलने लगता है। इन्होंने पूरा विश्व एक मंडी बना देने का वायदा किया था न। लीजिये पूरे विश्व में पैट्रोल और डीजल की कीमतें कम हो गईं हैं, फिर भी देश की चाल धीमी हो गई तो क्या? इस देश के लोगों को तो वैसे ही कीड़ी चाल से रेंगने की आदत है। धरती पर रेंगना और आकाशचारी होकर विकास के आंकड़ों के वायुयान की सवारी करना इनकी पुरानी आदत है। भैया, ये आंकड़े बहुत बड़ी चीज हैं। आप जितना चाहें आंकड़ों की सत्यता की जांच कर वैकल्पिक आंकड़े ले आएं, हमने संकट बचा लिया और अपनी कुर्सी भी। बस अब चुप लगा जाइए और अपनी जानों को कुर्सीधारियों की अमानत मानिए। वे खैरात बांटते रहेंगे, अब बस दुआओं से काम चलाइए। बदलाव के नारे मंचों तक सीमित रहे तो बेहतर।

देश दुनीया से

पहले आम चुनाव के 25 में से 12 राज्य जो अब नहीं हैं

अजमेर राज्य कभी भारत का एक राज्य था जिसकी राजधानी अजमेर शहर थी। इसकी स्थापना 7वीं शताब्दी में हुई थी और इस पर चैहान वंश का शासन था। बाद में यह मुगल साम्राज्य और फिर मराठों के नियंत्रण में आ गया। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, अजमेर राज्य भारत के संघ में शामिल हो गया। 1950 में यह राजस्थान राज्य का हिस्सा बन गया। यह राज्य 1951-52 के आम चुनाव में शामिल रहा। स्वतंत्रता से पूर्व भोपाल राज्य भारत में एक रियासत थी जो 1723 से 1949 तक अस्तित्व में थी, जिसकी राजधानी भोपाल शहर थी। इसकी स्थापना एक अफगान कमांडर दोस्त मोहम्मद खान ने की थी और इस पर उनके वंश के वंशजों, भोपाल के नवाबों का शासन था। 1947 में, भारत के विभाजन के दौरान, रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया था।

गणतांत्रिक भारत का अट्ठारहवां आम चुनाव देश के 36 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में हो रहा है। जिनमें 29 पूर्ण राज्य और शेष केन्द्र शासित प्रदेश है। लेकिन कभी भारत का प्रशासनिक ढांचा थोड़ा सा भिन्न था। इसमें 10 पार्ट-ए, 8 पार्ट-बी, 9 पार्ट-सी और एक पार्ट-डी राज्य थे। इनमें से 12 राज्य अब वजूद में नहीं हैं। अजमेर राज्य कभी भारत का एक राज्य था जिसकी राजधानी अजमेर शहर थी। इसकी स्थापना 7वीं शताब्दी में हुई थी और इस पर चैहान वंश का शासन था। बाद में यह मुगल साम्राज्य और फिर मराठों के नियंत्रण में आ गया। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, अजमेर राज्य भारत के संघ में शामिल हो गया। 1950 में यह राजस्थान राज्य का हिस्सा बन गया। यह राज्य 1951-52 के आम चुनाव में शामिल रहा। स्वतंत्रता से पूर्व भोपाल राज्य भारत में एक रियासत थी जो 1723 से 1949 तक अस्तित्व में थी, जिसकी राजधानी भोपाल शहर थी। इसकी स्थापना एक अफगान कमांडर दोस्त मोहम्मद खान ने की थी और इस पर उनके वंश के वंशजों, भोपाल के नवाबों का शासन था। 1947 में, भारत के विभाजन के दौरान, रियासतों को भारत या पाकिस्तान में शामिल होने का विकल्प दिया गया था।

उस समय भोपाल के नवाब हमीदुल्ला खान ने भारत में शामिल होने का फैसला किया 1949 में, भोपाल राज्य का भारत संघ में विलय कर दिया गया और 1956 में भोपाल नवगठित राज्य मध्य प्रदेश का हिस्सा बन गया। इस राज्य में भी देश के पहले आम चुनाव हुये थे। 1951 तक, भोपाल राज्य में भोपाल शहर, बैरसिया, सीहोर, रायसेन, होशंगाबाद, इटारसी, नरसिंहगढ़, राजगढ़, विदिशा एवं सिरोंज आदि क्षेत्र थे। बॉम्बे राज्य भारत का एक राज्य था, जो 1950 से 1960 तक अस्तित्व में रहा। इसका निर्माण बॉम्बे प्रेसीडेंसी के क्षेत्रों को पश्चिमी क्षेत्र की रियासतों के साथ विलय करके किया गया था। सन् 1957 तक बंबई राज्य कई परिवर्तनों से गुजरा। बॉम्बे राज्य का गठन 1 मई 1950 को राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के तहत किया गया था, जिसने राज्यों को भाषाई आधार पर पुनर्गठित किया था। इस राज्य में पूर्व बॉम्बे प्रेसीडेंसी के क्षेत्र शामिल थे, जिसमें वर्तमान महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के कुछ हिस्से शामिल थे। इतिहासकारों के अलावा कुर्ग राज्य शायद ही भारतवासियों के मस्तिष्क में सलामत होगा। यह राज्य हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों की तरह भारत का एक पार्ट-सी राज्य था जो 1950 से 1956 तक अस्तित्व में था। जब 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ, तो अधिकांश मौजूदा प्रांतों को राज्यों में पुनर्गठित किया गया तो कूर्ग प्रांत कूर्ग राज्य बन गया। कूर्ग राज्य पर एक मुख्य आयुक्त का शासन था और मरकारा इसकी राजधानी थी। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अनुसार 1 नवंबर 1956 को कूर्ग राज्य को समाप्त कर दिया गया और इसके क्षेत्र को मैसूर राज्य (बाद में 1973 में इसका नाम बदलकर कर्नाटक कर दिया गया) में मिला दिया गया। वर्तमान में, कूर्ग कर्नाटक राज्य का एक जिला है। हैदराबाद राज्य भी भारत में एक रियासत थी जो 1724 से 1948 तक अस्तित्व में थी। इस पर निजामों का शासन था। यह भारत की सबसे बड़ी रियासत थी और अपनी सांस्कृतिक और भाषाई विविधता के लिए जानी जाती थी। क्षेत्रफल के मामले में भारत की सबसे बड़ी रियासत थी। इसमें लगभग 214,190 वर्ग किलोमीटर (82,865 वर्ग मील) के क्षेत्र था। यह भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित था। सन्-1956 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम में भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन हुआ तो हैदराबाद राज्य के तेलुगु भाषी हिस्सों को आंध्र प्रदेश बनाने के लिए आंध्र राज्य में मिला दिया गया, जबकि मराठी भाषी क्षेत्रों को बॉम्बे राज्य में मिला दिया गया, और कन्नड़ भाषी क्षेत्र मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) का हिस्सा बन गए। राज्य के तौर पर यहां 1951 में अंतिम आम चुनाव हुआ था। मध्य भारत नाम से भी 1956 तक एक राज्य था। जिसे मालवा संघ के नाम से भी जाना जाता था। यह पच्चीस रियासतों के विलय से 28 मई 1948 को बनाया गया था। संघ का क्षेत्रफल 120,380 वर्ग किमी था। ग्वालियर इसकी शीतकालीन और इंदौर ग्रीष्मकालीन राजधानी थी। इसकी सीमा दक्षिण-पश्चिम में बॉम्बे, उत्तर-पश्चिम में राजस्थान, उत्तर में उत्तर प्रदेश और पूर्व में विंध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्व में भोपाल राज्य और मध्य प्रदेश राज्यों से लगती थी। 1 नवंबर 1956 को, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल राज्य के साथ मध्य प्रदेश में विलय कर दिया गया।

आप का नजरीया

क्या चीन निशाने पर...?

पाकिस्तान में दो वारदातें ऐसी हुई हैं, जिनका निशाना चीनी नागरिकों की तरफ लगता है। पाकिस्तान की सुरक्षा समस्याएं एक बार फिर बदतर होती जा रही हैं। एक घटना बीते सोमवार को हुई, जब 'बलोच मुक्ति सेना' के चरमपंथियों ने पाकिस्तान के नौसेना बेस 'पीएनएस सिद्धिक' में घुसने की कोशिश की। यह खबर जानबूझ कर छिपा दी गई, अलबत्ता इसके फलितार्थ बेहद गंभीर हो सकते थे। यह हमलानुमा प्रयास ग्वादर बंदरगाह क्षेत्र पर किए गए हमले के करीब एक सप्ताह बाद किया गया। हालांकि सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम कर दिया। ग्वादर चीन पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर का केंद्रीय स्थान है, जबकि नौसेना बेस चीनी ड्रोन्स का आतिथ्य करता है। यदि बलोच चरमपंथी नौसेना अड्डे में घुसने में कामयाब हो जाते, तो न जाने क्या हो सकता था? पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र-खैबर पख्तूनख्वा-में 'बलोच मुक्ति सेना' अपनी आजादी की लड़ाई लड़ रही है। खनिजों से सम्पन्न बलूचिस्तान पाकिस्तान के व्यवहार, रवैये और वहां की हुकूमत को 'साम्राज्यवादी' करार देता रहा है। वहां के चरमपंथी पाकिस्तान की फौज पर भी हमले करते रहे हैं। चूंकि आर्थिक कॉरिडोर को 'बलोच चरमपंथी' पाकिस्तान के औसत गरीब को लूटने वाली परियोजना मानते रहे हैं। इससे फौज के जनरलों के 'संभ्रांत वर्ग' को ही फायदा है, क्योंकि उन्हें करोड़ों डॉलर के नए कर्ज चीन से मिलते रहे हैं। बहरहाल दूसरी वारदात एक आतंकी हमले सरीखी थी। बीते मंगलवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में एक आत्मघाती हमले में चरमपंथियों ने 5 चीनी इंजीनियरों और एक पाकिस्तानी वाहन चालक को मार दिया। हमलावरों ने विस्फोटकों से भरे वाहन से उनकी गाड़ी को टक्कर मारी और विस्फोट जानलेवा साबित हुआ। चीनी इंजीनियर एक पनबिजली परियोजना पर काम कर रहे थे। हमला उस वक्त किया गया, जब वे इस्लामाबाद से कोहिस्तान की ओर जा रहे थे। आत्मघाती हमले से साफ है कि पाकिस्तान में आर्थिक कॉरिडोर के लिए सब कुछ ठीक नहीं है। चरमपंथी हुकूमत और फौज के प्रिय दोस्तों, चीनियों को, भी निशाना बना रहे हैं। हालांकि ऐसे चीनी इंजीनियरों को पाकिस्तान में पर्याप्त सुरक्षा-व्यवस्था मुहैया कराई जा रही है, लेकिन हमले रुक नहीं पा रहे हैं। 2023 में भी ग्वादर में चीनी नागरिकों पर हमला किया गया था, जिसमें चार चीनी मारे गए थे। पाकिस्तान आतंकवाद को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करने में 'मास्टर' है। 'बलोच मुक्ति सेना' वर्षों से इस्लामाबाद के लिए 'कांटा' साबित होती रही है। पाकिस्तान के लिए आतंकवाद कई मायनों में स्वीकार्य है। हालांकि वहां भी आतंकवाद ने हजारों मासूम नागरिकों की जिंदगी छीनी है, फिर भी आतंकी हमलों से पाकिस्तान न तो चिंतित होता है और न ही बेचैन होता है। अब चीनी इंजीनियरों की हत्या को लेकर पाकिस्तान अपनी पुरानी दलीलें दे सकता है, लेकिन चीन भी उससे विमुख नहीं हो सकता, क्योंकि कॉरिडोर पर अरबों डॉलर खर्च किए जा चुके हैं और यह चीन के लिए बेहद महत्वाकांक्षी परियोजना है।

लोकसभा चुनाव में पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी के नाम की बयार: डॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ (हिंस)। उप्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री व महाराष्ट्र के प्रभारी भाजपा नेता डॉ. दिनेश शर्मा का कहना है कि पूरे देश में मोदी के नाम की बयार है। पार्टी की ओर से महाराष्ट्र प्रभारी का दायित्व मिलने के बाद डॉ. शर्मा ने गुरुवार को हिंदुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान समेत समूचे देश में माहौल है, उसी प्रकार महाराष्ट्र में भी भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ बड़ी जीत दर्ज करेगी। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बहुत ऊंचा है। साथ में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार का सहयोग है। यह सोने में सुहागा है। मैं समझता हूं कि महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि पूरे देश में भाजपा के पक्ष में व्यापक समर्थन है। दिनेश शर्मा ने कहा कि मैं मानता हूं कि कांग्रेस, उद्धव और शरद पवार के गठजोड़ को महाराष्ट्र की जनता अवसरवादी गठजोड़ के रूप में देख रही है। एक-एक सीट के लिए इनका आपस में झगड़ा उभर कर सामने आया है। इनका न तो कोई अपना संगठन है, न ही इनकी कोई नीति और नियति है। इधर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में या फिर यूं कहें कि पूरे विश्व में एक वातावरण बना हुआ है। इसका सीधा लाभ पूरे महाराष्ट्र में भी होगा। जैसे उत्तर प्रदेश और अन्य जगह वातावरण है, वैसा ही महाराष्ट्र में भी है। जनता स्वयं ही चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव ऐसा है जिसमें कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि जनता खुद चुनाव लड़ रही है। भाजपा नेता एवं महाराष्ट्र प्रभारी डॉ. दिनेश शर्मा से जब यह पूछा गया कि उनके प्रभारी रहते हुए अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में कितनी बड़ी चुनौती होगी? इस पर उन्होंने कहा कि भगवान की मेरे ऊपर अनुकंपा है। मैं जिन-जिन चुनाव में लगाया गया हूं, वहां भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है। मैं मानता हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव इस बार पहले से बिल्कुल अलग है। इससे विपरीत परिस्थितियों में भी महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा का साथ दिया है। महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का गढ़ है। इसलिए, मैं समझता हूं कि हमारे कार्यकर्ताओं ने इसे चुनौती के रूप में लिया है और हम अप्रत्याशित जीत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के प्रवास का अनुभव साझा करते हुए डॉक्टर शर्मा ने बताया कि मैं उन सुदूर क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रमों में उमड़ी भीड़ को देखकर आश्चर्यचकित था। मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता के कार्यक्रमों में भी हजारों की भीड़ जुट रही थी। इससे मैं समझता हूं कि हमारे बड़े नेताओं के कार्यक्रमों में कितनी भीड़ रही होगी। इसलिए मैं यह कह सकता हूं कि उत्तर से दक्षिण तक पूरब से पश्चिम तक देश की जनता का भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व समर्थन है। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम था, जिसमें जन सैलाब उमड़ा था। उनका स्वागत करने के लिए अपार भीड़ थी। प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए लोग उत्सुक थे, इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस बार हर तरफ कमल खिलेगा और 400 से अधिक सीटों के साथ नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे।

नवादा पुलिस पर हमले में थानाध्यक्ष सहित 4 पुलिसकर्मी घायल,15 गिरफ्तार

नवादा (हिंस)। नवादा पुलिस पर गुरुवार को हमले में थानाध्यक्ष समेत चार पुलिस कर्मी जख्मी हो गए है। 9 पुरुष 6 महिला हमलावरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार कर लिया है। शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर शराब कारोबारियों ने किया हमला। नवादा में शराब माफियाओं का हौसला बुलंद है शराब माफियायो ने शराब की तस्करी और भंडारण की सूचना पर छापेमारी करने गई पुलिस टीम पर हमला कर दिया है। इस हमले में काशीचक थाना के थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी हो गए है। इस बावत थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने 9 पुरुष और 6 महिला हमलावरों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस पर हमला मामले में पुलिस ने 30 नामजद व 80 अज्ञात लोगों को आरोपी किया गया है। पुलिस अन्य हमलावरों की गिरफ्तारी में जुट गई है। घटना काशीचक थाना क्षेत्र के मधेपुर गांव के पासवान टोला की बताई जाती है। जहां पुलिस शराब की तस्करी और भंडारण की सूचना पर छापेमारी करने पहुंची थी। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मधेपुर पासवान टोला में शराब की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी इसके आलोक में एक टीम गठित कर वहां छापेमारी करने पहुंचे थे। इसी बीच पुलिस पर कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। जिसमे थानाध्यक्ष समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी हुए। पुलिस अन्य हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। घायल पुलिस कर्मी में थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार, अनोज कुमार सिपाही, पप्पू कुमार सिपाही और सिपाही रंजन कुमार बताए जाते है। सभी जख्मी पुलिसकर्मियों को जख्मी हालत में स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां अस्पताल में तैनात चिकत्सक द्वारा सभी का इलाज जारी है। हमले के बाद पुलिस में गुस्सा देखा जा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरबंस बराल भाजपा में शामिल

जम्मू (हिंस)। गुरुवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरबंस अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों और समर्थकों के साथ भाजपा मुख्यालय, जम्मू में भाजपा में शामिल हुए। महासचिव अशोक कौल और पूर्व उप मुख्यमंत्री कविंद्र गुप्ता के साथ अन्य पार्टी नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। कौल ने कहा कि जो कोई भी भाजपा की विचारधारा में विश्वास करता है उसका पार्टी में स्वागत है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो गरीबों और जरूरतमंदों के लिए काम करती है। कविंद्र गुप्ता ने नए प्रवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस ने कांग्रेस के शासन के दौरान राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए केवल कुछ क्षेत्रों पर ध्यान दिया था, लेकिन मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर में हर क्षेत्र में समग्र ढांचागत विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के लिए शुरू की गई योजनाओं से इन लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव आया है और इनके आशीर्वाद से भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाएगी। हरबंस बराल ने कहा कि वह भाजपा में शामिल हुए हैं क्योंकि मोदी सरकार की नीतियां लोगों और राष्ट्र के कल्याण के लिए निर्देशित हैं और उन्होंने कहा कि वह पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत विकसित भारत के लिए काम करना चाहते हैं।

लोकसभा चुनाव : दूसरे चरण के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के साथ बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव की भी अधिसूचना जारी

जयपुर (हिंस)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए राजस्थान में दूसरे चरण के चुनावों के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। दूसरे चरण में 13 लोकसभा क्षेत्रों टोंक-सवाईमाधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां में 26 अप्रैल को मतदान होगा। मतदान की अवधि सुबह सात से शाम छह बजे तक रहेगी। द्वितीय चरण के लिए चार अप्रैल तक नामांकन किए जा सकेंगे। 31 मार्च एवं एक अप्रैल को अवकाश के कारण नामांकन नहीं भरे जाएंगे। पांच अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा आठ अप्रैल तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मतगणना चार जून को होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अंतर्गत राजस्थान लोकसभा आमचुनाव 2024 के लिए नामांकन दाखिल करते समय सामान्य अभ्यर्थी को 25 हजार रुपए और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को 12 हजार 500 रुपए जमानत राशि जमा करवानी होगी। गुप्ता ने बताया कि नामांकन भरने पहुंचे अभ्यर्थी के साथ चार व्यक्ति सहित कुल पांच व्यक्ति ही रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। नामांकन भरने पहुंचे व्यक्ति के काफिले में केवल तीन वाहनों को ही आरओ कार्यालय के 100 मीटर के अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। नामांकन भरने की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी, जो दोपहर तीन बजे तक चलेगी। दोपहर तीन बजे के बाद कक्ष में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश करने या दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि संबंधित आरओ भारत निर्वाचन आयोग के इन निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित कराएं। नामांकन भरने की निर्धारित पूरी अवधि में आरओ अपने कार्यालय में उपस्थित रहें एवं संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराएं। अभ्यर्थियों को नामांकन के समय सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे जमानत राशि का प्रमाण, प्रारूप-ए एवं बी, शपथ-पत्र आदि के साथ आना होगा। यदि अभ्यर्थी उसी निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नहीं है, जहां से वह चुनाव लड़ रहा है, तो अभ्यर्थी को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली की प्रति या निर्वाचक नामावली से संबंधित भाग की प्रमाणित प्रति दाखिल करनी होगी। एक अभ्यर्थी एक ही निर्वाचन क्षेत्र के लिए चार नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है एवं अधिकतम दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ सकता है।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत

जोधपुर (हिंस)। शहर के सूरसागर एवं झंवर थाना क्षेत्र अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया। इस बारे में संबंधित थाना पुलिस ने मामले दर्ज किए है। सूरसागर थाने के एएसआई सुरताराम ने बताया कि मथानिया के अगुणावास निवासी 61 साल का हनुवंताराम पुत्र पूनाराम मेघवाल और उसका रिश्तेदार 24 वर्षीय अनिल भाटी पुत्र नरपतभाटी बुधवार को अपनी बाइक पर रिश्तेदारों से मिलने सूरसागर आए थे। शाम को वे अपने गांव जा रहे थे। तब रिंग रोड के पास एक निर्माणाधीन भवन के सामने के एक पिकअप के चालक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिस पर उन्हें एबुलेंस 108 की मदद से एमडीएम अस्पताल भिजवाया गया। मगर यहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत बता दिया। एएसआई सुरताराम ने बताया कि आज शवों को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। पिकअप चालक के खिलाफ मृतक हनुवंताराम के पुत्र किशनलाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। दूसरी तरफ झंवर पुलिस ने बताया कि विष्णु नगर सुराणी बालेसर निवासी सोहनलाल पुत्र नारायणराम विश्नोई की तरफ से रिपोर्ट दी गई कि उसका भाई जगदीश बाइक लेकर गांव की तरफ से आ रहा था। तब हिंगोला- राबड़ियां गांव की सरहद में किसी पिकअप के चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

यूपी एटीएस ने चार रोहिंग्या नागरिकों को गिरफ्तार किया

सहारनपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश की एटीएस टीम ने चार रोहिंग्या नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इसमें तीन महिलाएं शामिल हैं। ये लोग भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते से भारत में अवैध तरीके से प्रवेश कर यहां आये हैं। इन लोगों ने फर्जी दस्तावेज भी तैयार कर लिये। एटीएस के अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि एक सूचना मिली कि कुछ रोहिंग्या नागरिक असम के सिलचर से ट्रेन से नई दिल्ली जा रहे हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए यूपी एटीएस की टीम ने सहारनपुर से तीन महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस मुख्यालय लाकर पूछताछ में उन्होंने अपने नाम म्यांमार निवासी आमिर हमजा, मीना जहां, सुकुरा बेगम और ओनारा बेगम बताया और स्वीकारा कि भारत में बसने के उद्देश्य से बांग्लादेश के रास्ते म्यांमार से भारत आ रहे थे। खुद को भारतीय नागरिक बताने के उद्देश्य से उन्होंने फर्जी दस्तावेज भी तैयार करवाए थे।

विवेक की जीत सुनिश्चित, चार सौ पार बनेगी मोदी सरकार : गिरिराज

नवादा (हिंस)। नामांकन दाखिल किए जाने के बाद गुरुवार को नवादा के श्री कृष्णा मेमोरियल कॉलेज परिसर में एनडीए की सभा का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, सांसद रामकृपाल यादव, सांसद शंभू शरण पटेल ने नवादा के प्रत्याशी विवेक ठाकुर की जीत का आह्वान किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विवेक ठाकुर की सांसद के रूप में नवादा से जीत सुनिश्चित है। इस बार 400 पार मोदी की सरकार बन कर रहेगी। उन्होंने कहा कि हर कीमत पर देश में तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होगा। केंद्रीय गृहमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि मोदी ने देश को बहुत कुछ दिया है। इतना आज तक किसी प्रधानमंत्री ने नहीं दिया। इस कारण 80 प्रतिशत आबादी मोदी का कट्टर समर्थक बन चुकी है। इस कारण नवादा लोकसभा सीट से विवेक ठाकुर की जीत सुनिश्चित है। सभा को सांसद रामकृपाल यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि हर कीमत पर विवेक ठाकुर की नवादा से जीत सुनिश्चित है। पूरे देश में नरेंद्र मोदी की सरकार को स्थापित कर विकसित भारत के सपना को साकार करने के लिए ही विवेक ठाकुर को प्रत्याशी बनाया गया है। इस कारण उनकी जीत सुनिश्चित है। सांसद प्रत्याशी विवेक ठाकुर ने नवादा वासियों से अपना बहुमूल्य वोट देकर विजय बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नवादा की विकास मेरी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर भाजपा नेता प्रमोद कुमार चुन्नू, भोला कुंभी आदि ने भी सांसद प्रत्याशी विवेक ठाकुर का स्वागत किया।

रामनवमी की शोभायात्रा में दिखेगी रामराज्य की झलक

जोधपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद द्वारा संचालित रामनवमी महोत्सव समिति के तत्वावधान में राम जन्मोत्सव पर 17 अप्रैल को घण्टाघर से विराट शोभायात्रा निकलेगी। शोभायात्रा के संचालन को लेकर महोत्सव समिति का गठन किया गया है जिसमें माहेश्वरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप काबरा को समिति अध्यक्ष व विहिप से जुड़े विजय सिंह परिहार, पुरुषोत्तम बंसल व डॉ. राजकुमार भील को महामंत्री बनाया गया। साथ ही कार्यालय प्रमुख ज्ञानदेव जांगिड़ व कोषाध्यक्ष हिमांशु चांडक को बनाया गया। विहिप महानगर प्रचार प्रमुख तरुण सोतवाल ने बताया कि प्रान्त अध्यक्ष डॉ. राम गोयल द्वारा समिति की घोषणा कर सभी का साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप प्रान्त संगठन मंत्री राजेश पटेल ने कहा कि रामनवमी शोभायात्रा समाज में जागृति के साथ अच्छा संदेश देने वाली होनी चाहिए। सभी झांकियां धर्म राष्ट्र सनातन संस्कृति जागरण के साथ रामत्व का भाव जगाने वाली होगी। समरसता का भाव, लोकतंत्र परिष्कार के संदेश को देते हुए राष्ट्र के उत्थान व विकसित बनाने के लिए मतदान जागरूकता का भाव हो। पर्यावरण संरक्षण देने की झांकी हो। तब ही इस दिव्य आयोजन की सार्थकता होगी। इस बार शोभायात्रा में प्लास्टिक बैग, बोतल, गिलास का उपयोग नही होगा इसको लेकर काम करते हुए प्रदूषण रहित स्वच्छ शहर का महत्व दिया जाएगा। समरसता के भाव का प्रकटीकरण हो। संत वाल्मीकि, संत रविदास भीमराव अंबेडकर, एकलव्य सहित झांकियां सहित समाज के लोग साथ हिस्सा लेंगे। समिति अध्यक्ष संदीप काबरा ने कहा कि इस बार की शोभायात्रा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार निकल रही है। देश अभी राममय वातावरण की अनुभूति कर रहा है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि इस बार की शोभायात्रा गुणवत्तापूर्ण नैतिकतापूर्ण होकर सुव्यवस्थित हो। राष्ट्र में स्व की स्थापना होने के लिए कार्य को महत्व देते हुए स्वयम के यश को भूल कार्यकर्ता को लगना होगा। कार्यक्रम में प्रान्त उपाध्यक्ष मानाराम विश्नोई, पंकज भंडारी, महेन्द्र उपाध्याय, महेन्द्र राजपुरोहित, विक्रम परिहार, विक्रांत अग्रवाल सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे। संचालन मंत्री जितेंद्र शर्मा, आशीष व्यास व विवेक महिपी ने किया।

आजम को स्टार प्रचारक बना समर्थकों को रिझा रही सपा

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में प्रचार के लिए जेल में बंद आजम खान समेत 18 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारा है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, किरनमय नंदा, रामगोपाल यादव के बाद आजम खान का नाम चौथे नम्बर पर है। सपा की स्टार प्रचारक वाली सूची में जया बच्चन, डिम्पल यादव, जावेद अली खान, नरेश उत्तम पटेल, रामजी लाल सुमन, शिवपाल सिंह यादव, रामगोविन्द चौधरी, इन्द्रजीत सरोज, रमेश प्रजापति, ओमप्रकाश सिंह, राजपाल कश्यप, रामआसरे विश्वकर्मा, महबूब अली और शाहिद मंजूर के नाम शामिल है। उत्तर प्रदेश के पश्चिम क्षेत्र में समीकरण के आधार पर महबूब अली, शाहिद मंजूर, जावेद अली खान के नाम को स्टार प्रचारक की सूची में शामिल कर समाजवादी पार्टी ने बड़ा संदेश दिया है।

लोकसभा चुनाव : हम पार्टी सुप्रीमो जीतनराम मांझी ने गया सीट से किया नामांकन

पटना/गया (हिंस)। बिहार के पूर्व सीएम और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने गया लोकसभा संसदीय सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के तौर पर गुरुवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। पहले चरण के लोकसभा चुनाव के लिए आज नामांकन की अंतिम तिथि थी। जीतन राम मांझी के नामांकन के दौरान बिहार राजग के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। राजग गठबंधन में शामिल जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को लोकसभा चुनाव में गया की एक सीट मिली है। मांझी की मांग पर भाजपा ने गया सीट हम को दे दी थी। इस सीट से पूर्व सीएम जीतन राम मांझी राजग के साझा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे हैं। जीतन राम मांझी ने गया स्थित समाहरणालय में अपना नामांकन दाखिल किया। मांझी के नामांकन में भाजपा की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जदयू से मंत्री श्रवण कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान समेत गठबंधन के तमाम दलों के कई नेता मौजूद रहे और सभी ने 400 पार के लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को दोहराया। गया में राजग उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल करने के बाद जीतन राम मांझी समाहरणालय से निकलकर गांधी मैदान पहुंचे हैं। गांधी मैदान में आयोजित जनसभा में हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मंत्री संतोष सुमन, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय समेत कई दिग्गज नेता मौजूद हैं। थोड़ी ही देर बाद जीतन राम मांझी गया की धरती से विरोधियों के खिलाफ हुंकार भरेंगे।

कांग्रेस, एनसी, पीडीपी निर्दोष कश्मीरियों की हत्या के लिए जिम्मेदार : खटाना

जम्मू (हिंस)। वरिष्ठ भाजपा नेता और संसद सदस्य (राज्यसभा), गुलाम अली खटाना ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस के साथ-साथ कश्मीर केंद्रित नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) पिछले वर्षों में 40,000 निर्दोष कश्मीरियों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं। अपने आवास पर कुछ प्रतिनिधिमंडलों के मुद्दों को सुनते हुए खटाना ने कहा कि सरकार को इन राजनीतिक संगठनों के खिलाफ त्वरित सुनवाई शुरू करनी चाहिए और मारे गए 40,000 निर्दोष कश्मीरियों को न्याय प्रदान करने के लिए गांधी, अब्दुल्ला और मुफ्ती जैसे उनके नेताओं पर मामला दर्ज करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीरी कभी हिंसक नहीं थे बल्कि सूफीवाद के अनुयायी थे और आध्यात्मिक और शांतिपूर्ण जीवन जीते थे। कश्मीर में असंख्य महिलाओं को विधवा बनाने और कई बच्चों को अनाथ बनाने के लिए, एनसी, कांग्रेस और पीडीपी को कानून के तहत कड़ी सजा दी जानी चाहिए। खटाना ने आगे कहा कि मुफ्ती और अब्दुल्ला ने अपने शासन के तहत धरती के स्वर्ग को लहूलुहान कर दिया, वे कश्मीर घाटी में सामूहिक कब्रिस्तानों के बेशर्म निर्माता थे। उन्होंने कहा कि कश्मीर का युवा आज अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में अच्छी तरह से जानता है और भारत की विशिष्ट सेवाओं में शामिल हो रहा है, जिससे जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश गौरवान्वित हो रहा है।

बदायूं की घटना से आहत हिना ने हिंदू रीति-रिवाज से महेश के संग लिए सात फेरे

सीतापुर (हिंस)। बदायूं में एक मुस्लिम नाई ने दो मासूम बच्चों की हत्या कर दी थी। यह घटना बदायूं में ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में चर्चा का विषय बनी रही। यही घटना सीतापुर की रहने वाली मुस्लिम युवती हिना के साथ न घटे तो उसने हिंदू संगठन की मदद लेकर हिंदू युवक महेश से गुरुवार को देवी मंदिर में हिंदू रीति रिवाज से शादी कर ली। इस विवाह के साक्षी बने हिंदू संगठन के लोगों ने नव विवाहित जोड़े को आशीर्वाद के साथ उनकी सुरक्षा का भी वचन दिया। संगठन की यह 58वीं शादी थी। खैराबाद की रहने वाली हिना ने बताया कि वह महेश को करीब ढाई साल से जानती है। वह उससे प्रेम करती है और दोनों शादी करना चाहते थे। शादी करने की इजाजत उसने अपने पिता ताहिर अली से मांगी। ताहिर पेशे से नाई का काम करते हैं। उसने अपनी बेटी को समझाया कि हिंदू काफिर होते हैं और उनमें अपनी लड़की देना हमारे धर्म में हराम है। इसी बीच बदायूं में दो बच्चों की निर्मम हत्या की घटना ने हिना को अंदर तक हिलाकर रख दिया। उसे पता चला कि इन बच्चों का हत्यारा साजिद है और वह नाई का कार्य करता है तो हिना डर गई क्योंकि उसके पिता ताहिर अली भी नाई का कार्य करते हैं। उसे डर सताने लगा कि पिता कहीं उसकी और उसके प्रेमी की भी हत्या न कर दें। हिना ने उसी दिन इस्लाम धर्म को त्याग कर सनातन धर्म में वापसी की बात सोच ली। हिना ने प्रेमी महेश के साथ विवाह और सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना से संपर्क किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू ने दोनों को सुरक्षा की पूरी गारंटी देते हुए शासन और प्रशासन को भी इस विषय में अवगत कराया। इसके बाद लड़के के परिवार वाले और लड़की को बुलाकर गुरुवार को काशीराम कॉलोनी स्थित भद्रकाली मंदिर में दोनों को सनातन रीति-रिवाज से शादी करवा दी। हिना का नाम बदलकर संगीता रखा गया क्योंकि बदायूं में जिन दो बच्चों की निर्मम हत्या हुई है, उन बच्चों की मां का नाम भी संगीता है। विवाह के दौरान महेश के परिवार वालों के साथ राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना के बहुत से सदस्य और पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास हिंदू ने बताया कि इस संगठन ने 58वीं शादी कराई है। आज से हिना उर्फ संगीता और महेश मौर्य की सुरक्षा की गारंटी राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना ने ले ली है। यदि किसी के द्वारा इन लोगों को परेशान किया गया तो राष्ट्रीय हिंदू शेर सेना शासन-प्रशासन से वार्ता कर उसके खिलाफ तुरंत विधिक कार्रवाई कराएगी। महेश ने कहा कि इस शादी से मेरी पत्नी संगीता और मेरे परिवार वाले बहुत खुश हैं। घरवालों ने पत्नी को अपना लिया है, लेकिन संगीता के परिजन इस शादी से खुश नहीं है। उन्होंने धमकी भी दी है कि दोनों को जान से मार देंगे। अब उन्होंने मुख्यमंत्री उनका आशीर्वाद एवं अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

लोस चुनाव को लेकर झारखंड-बिहार के वरीय पुलिस अधिकारियों की बैठक

पलामू (हिंस)। लोकसभा चुनाव 2024 स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न हो, इसको लेकर झारखंड व बिहार के वरीय पुलिस पदाधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक गुरुवार को हरिहरगंज थाना में हुई। बैठक में पलामू पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन तथा औरंगाबाद पुलिस अधीक्षक स्वप्ना जी मेश्राम सहित कई वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण व सुचारु तरीके से संपन्न कराने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही शराब, हथियार की तस्करी पर रोक लगाने, नक्सल से लेकर अपराधियों पर नजर रखने पर विशेष रूप से चर्चा की गई। नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त ऑपरेशन करने, शराब, ड्रग्स, मादक पदार्थों पर रोक लगाने और चुनाव को प्रभावित करने वालों की पहचान करने आदि पर विचार-विमर्श किया गया।

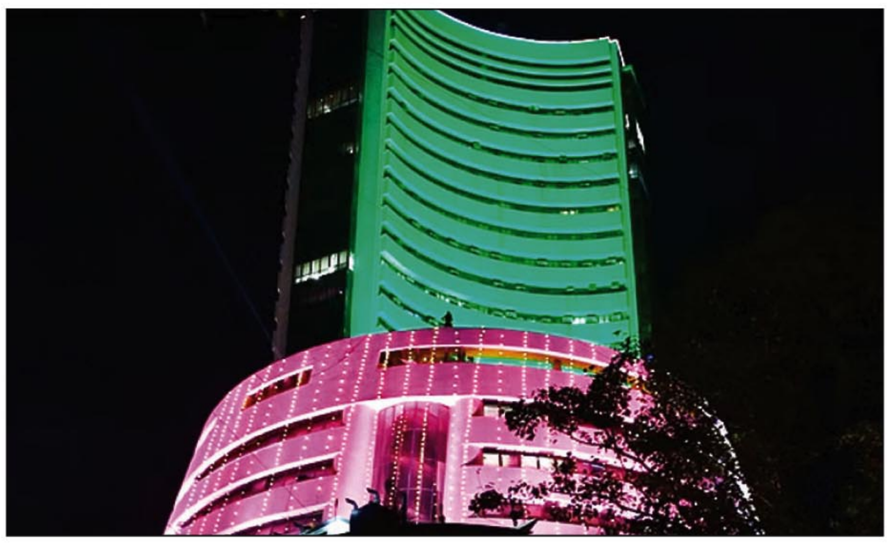

25 शेयरों की खरीद बिक्री पर उसी दिन सेटलमेंट बीएसईने जारी की सूची, वैकल्पिक होगी व्यवस्था

नई दिल्ली ।
शेयर बाजारों में टी+0 सेटलमेंट का नियम लागू होने जा रहा है। बाजार नियामक सेबी की ओर से पेश किया यह नियम शुरुआत में 25 शेयरों पर लागू होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने इन शेयरों की सूची जारी कर दी है। टी+0 सेटलमेंट का मतलब है कि आप जिस दिन शेयरों की खरीद-बिक्री करेंगे, सेटलमेंट भी उसी दिन हो जाएगा। यह वैकल्पिक व्यवस्था सीमित संख्या में ब्रोकरों के लिए उपलब्ध होगी। बाकी के शेयरों पर टी+1 नियम लागू रहेगा। नए ढांचे के तहत वे सभी निवेशक टी+0 निपटान चक्र में भाग लेने के पात्र होंगे, जो बाजार बुनियादी ढांचा संस्थानों की ओर से निर्धारित समयसीमा, प्रक्रिया और जोखिम आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं। टी+0 सेटलमेंट अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है। इसमें शेयरों की खरीद-बिक्री का समय सुबह 9.15 बजे से दोपहर 1.30 बजे के बीच होगा। इस पर भी वही निगरानी उपाय लागू होंगे, जो टी+1 निपटान चक्र में शेयरों पर प्रभावी होते हैं।

इन 25 शेयरों पर टी+0 सेटलमेंट नियम लागू - बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने टी+0 सेटलमेंट बीटा वर्जन के लिए 25 शेयरों की सूची जारी की है। इनमें अंबुजा सीमेंट्स, अशोक लीलैंड, बजाज ऑटो, बैंक ऑफ बड़ौदा, बीपीसीएल, बिरलासॉफ्ट, सिप्ला, कोफोर्ज, डिविस लेबोरेटरीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, इंडियन होटल्स कंपनी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, एलटीआई माइंडट्री, एमआरएफ, नेस्ले इंडिया, एनएमडीसी, ओएनजीसी, पेट्रोनेट एलएनजी, संवर्धना मदरसन इंटरनेशनल, एसबीआई, टाटा कम्युनिकेशंस, ट्रेंट लि. और यूनियन बैंक।

मजबूत होगा जोखिम प्रबंधन - टी+0 सेटलमेंट के जरिये समग्र प्रतिभूति बाजार तंत्र में जोखिम प्रबंधन मजबूत होगा। निवेशकों के लिए लागत, समय दक्षता और शुल्क में पारदर्शिता आएगी। सेंसेक्स 526 अंक चढ़ा, निफ्टी 22,100 पार बैंक, वाहन व पेट्रोलियम शेयरों में लिवाली से शेयर बाजारों में तेजी लौटी।

मार्च में 90 फीसदी घट सकता है सोने का आयात, रिकॉर्ड उच्च कीमतों से घटी मांग

मुंबई । देश का सोना आयात फरवरी, 2024 के मुकाबले मार्च में 90 फीसदी से अधिक घटकर कोरोना महामारी के बाद से अपने निचले स्तर पर पहुंच जाएगा। एक सरकारी अधिकारी और दो बैंक डीलरों ने बताया कि बहुमूल्य धातु की रिकॉर्ड उच्च कीमतों की वजह से मांग प्रभावित हुई है। इससे बैंकों ने सोने की खरीदारी में कटौती की है, जिससे आयात में बड़ी गिरावट आ सकती है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि भारत ने फरवरी में 110 टन सोने का आयात किया था। मार्च में यह घटकर 10-11 टन पर सीमित रह सकता है। व्यापार घाटे में आएगी कमी सोने के दूसरे सबसे बड़े उपभोक्ता भारत के कम आयात से वैश्विक स्तर पर बहुमूल्य धातु की कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है, जो इस माह की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई थी। आयात में गिरावट से भारत को व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रुपये को भी समर्थन मिल सकता है। खरीदारी घटने की वजह जूलर्स 35 डॉलर प्रति औंस से अधिक छूट के बाद भी सोना नहीं खरीद रहे हैं क्योंकि रिकॉर्ड उच्च कीमतों पर आयात करने व मांग बढ़ने की प्रतीक्षा करने का कोई कारण नहीं है। ग्राहक ऊंची कीमतों के कारण सोने के पुराने आभूषणों को नए से बदल रहे हैं, जिससे जूलर्स ने बैंकों से सोना खरीदना बंद कर दिया है। सोना 150 रुपये महंगा चांदी 250 रुपये फिसली वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी से दिल्ली सराफा बाजार में सोना 150 रुपये महंगा होकर 67,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।चांदी 250 रुपये सस्ती होकर 77,250 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 66,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआथा। अंतरराष्टीय बाजार में सोना मजबूती के साथ 2,180 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

अगले पांच वर्षों में कुछ और सुधारों की उम्मीद, 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष ने कही यह बात

नई दिल्ली । 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि भारत अगले पांच वर्षों में कुछ और सुधारों को लागू करके वास्तविक रूप से अपनी आर्थिक वृद्धि को मौजूदा 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत के करीब पहुंचा सकता है। पनगढ़िया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को व्यवसायों के लिए अनुकूल स्थान बनाने के लिए पिछले 10 वर्षों में कड़ी मेहनत की है, इसलिए निवेश आ रहा है। अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर- अरविंद पनगढ़िया एक निजी कार्यक्रम में बोलते हुए अरविंद पनगढ़िया ने कहा कि आज, अर्थव्यवस्था खुली है। अगले 2-3 दशकों में हम बहुत तेजी से विकास कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछले डेढ़ साल में सबसे तेज है। भारत वर्तमान में वास्तविक रुपये में लगभग 7 प्रतिशत या प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है।

कोरोना काल के बाद जीडीपी वृद्धि में महाराष्ट्र और यूपी का सर्वाधिक योगदान, एसबीआई रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोरोना काल के बाद शानदार प्रदर्शन किया है। इस दौरान जीडीपी की

वास्तवित औसत वृद्धि दर 8.1 फीसदी पहुंच गई, जो कोविड-19 अवधि से पहले के 5.7 फीसदी से काफी अधिक है। एसबीआई की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना काल के बाद से घरेलू अर्थव्यवस्था में 235 आधार अंक की वृद्धि देखने को मिली है। इस वृद्धि में महाराष्ट ने 56 आधार अंक और उत्तर प्रदेश ने 40 आधार अंक का योगदान दिया, जो राज्यों में सबसे ज्यादा है। भारतीय जीडीपी की इस वृद्धि में अन्य राज्यों का योगदान 90 आधार अंक रहा। जीडीपी में इन राज्यों की भी अहम हिस्सेदारी रिपोर्ट के मुताबिक, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के मोर्चे पर गुजरात ने अपने आर्थिक उत्पादन को उल्लेखनीय रूप से दोगुना कर दिया है। यह पिछले दशक में 2.2 गुना की वृद्धि को दर्शाता है।

भारतीय मूल की डॉक्टर को पड़ी दो करोड़ रुपयों की जरूरत, मदद को आगे आए एलन मस्क

ओटावा ।
साल 2020 को कभी नहीं भूलाया जा सकता है, जब कोरोना महामारी के कारण पूरी दुनिया ठहर गई थी। हर तरफ सिर्फ शव ही शव थे। आए दिन दुनिया में लाखों लोगों की मौत हो रही थी। तब सरकार ने कोरोना से बचाव के टीके का हल निकाला और वहीं लॉकडाउन भी लगा दिया। हालांकि, इसका भारतीय मूल की डॉक्टर कुलविंदर कौर गिल ने विरोध किया था। उन्होंने सरकार की ओर से लगाए गए लॉकडाउन और टीकाकरण के आदेश के खिलाफ बात की थी। उनके इस रुख के चलते उन्हें चिकित्सा संस्थानों की ओर से मुकदमों और एक्स (ट्विटर) के पिछले प्रबंधन द्वारा सेंसरशिप का सामना करना पड़ा।

कोविड से संबंधित पोस्ट करके कानूनी पचड़े में फंसीं

कनाडा में इम्यूनोलॉजी और पीडियाट्रिक्स (शिशु चिकित्सा) की विशेषज्ञ डॉक्टर गिल कोविड से संबंधित पोस्ट करके कानूनी पचड़े में फंस गई हैं। उन्हें कानूनी लड़ाई के लिए 300,000 कैनेडियन डॉलर (1,83,75,078 रुपये) की जरूरत है। इसे जुटाने के लिए उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इस बीच उनके लिए एक अच्छी खबर आई है। उन्हें एक्स से समर्थन मिला है, जिसने उनके खर्चों को उठाने का वादा किया है।

एलन मस्क का बयान

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने डॉक्टर गिल का पक्ष लेते हुए एक बयान जारी किया। एक्स ने कहा, %गिल कोविड लॉकडाउन के प्रयासों और सार्वजनिक टीकाकरण के आदेश के विरोध में कनाडा और ओंटारियो की सरकार के खिलाफ खुलकर ट्वीटर पर बोलीं थीं। इसलिए उन्हें मीडिया द्वारा परेशान किया गया। वहीं, पूर्व ट्विटर प्रबंधन द्वारा सेंसर किया गया था। इतना ही नहीं, ओंटारियों के कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन द्वारा जांच और कार्रवाई के तहत उनके स्थायी सार्वजनिक रिकॉर्ड में सावधान शब्द जोड़ दिया गया था।

बयान में आगे कहा गया, जब एलन मस्क को इस सप्ताह की शुरुआत में कानूनी फीस का भुगतान करने के लिए गिल के क्राउडफंडिंग अभियान के बारे में पता चला तो उन्होंने मदद करने का वादा किया। एक्स अब डॉक्टर गिल की बाकी कानूनी प्रक्रिया के लिए फंडिंग करेगा ताकि वे फीस और आदेश से जुड़े 300,000 डॉलर चुका सकें।

गिल ने किया था यह पोस्ट

रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी कार्यवाही के कारण डॉक्टर गिल की जीवन भर की बचत खत्म हो गई है और उन पर भारी कर्ज हो गया है। भारतीय मूल की डॉक्टर वैक्सीनेशन की मुखर आलोचक रही हैं। उन्होंने अगस्त, 2020 में एक पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, अगर आपको अभी तक पता नहीं चला है कि हमें वैक्सीन की जरूरत नहीं है, तो आप ध्यान नहीं दे रहे हैं। हैशटेग फैक्ट्स नॉट फियर ।

उनकी पोस्ट की चिकित्सा से जुड़े लोगों ने आलोचना की थी। वहीं मीडिया में भी कई लोगों ने उनके खिलाफ तीखी बयानबाजी की थी। डॉ गिल ने 23 डॉक्टरों, पत्रकारों और समाचार आउटलेट्स पर मुकदमा दायर किया था। इन लोगों पर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। हालांकि, एक जज ने सार्वजनिक भागीदारी के खिलाफ रणनीतिक मुकदमा विरोधी कानून का हवाला देते हुए मुकदमा खारिज कर दिया था। इसमें कहा गया था कि डॉक्टर गिल का इरादा सार्वजनिक मंच पर अपने आलोचकों की आवाजों को दबाना था। डॉ गिल को प्रतिवादियों के कानूनी खर्चों का भुगतान का निर्देश दिया गया था।

कांग्रेस को एक और झटका देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने भी छोड़ी पार्टी

नई दिल्ली ।
लोकसभा चुनाव 2024 से पहले एक पार्टी से दूसरी पार्टी में नेताओं के जाने का सिलसिला जारी है। हाल ही में कांग्रेस नेता नवीन जिंदल पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। बीजेपी ने उन्हें हरियाणा के कुरुक्षेत्र से प्रत्याशी भी बना दिया है। अब नवीन जिंदल की मां और देश की सबसे अमीर महिला सावित्री जिंदल ने भी कांग्रेस छोड़ दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

दो लाख करोड़ से ज्यादा नेटवर्थ है सावित्री जिंदल का

भारत की सबसे अमीर महिलाओं की लिस्ट में सावित्री जिंदल का नाम सबसे ऊपर है। उनकी उम्र 84 साल है और वे जिंदल समूह का विशाल कारोबार संभालती हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 28 मार्च 2024 तक सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 29.6 अरब डॉलर है। भारतीय मुद्रा में यह करीब 2.47 लाख करोड़ रुपये है। वैश्विक स्तर पर दुनिया के अरबपतियों की सूची में सावित्री जिंदल 56वें स्थान पर हैं।

सावित्री जिंदल का राजनीतिक करियर

ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल ने 10 वर्षों तक हिसार निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और हरियाणा सरकार में मंत्री रही हैं। साल 2005 में एक विमान दुर्घटना में उनके पति और जिंदल समूह के संस्थापक ओपी जिंदल की मृत्यु के बाद जिंदल को हिसार निर्वाचन क्षेत्र से हरियाणा विधानसभा के लिए चुना गया था। वह 2009 में हिसार से फिर चुनाव जीतीं। अक्टूबर 2013 में उन्हें हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री बनाया गया। साल 2006 में शहरी स्थानीय निकाय और आवास राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने काम किया। हालांकि 2014 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सावित्री जिंदल हिसार से हार का सामना करना पड़ा। अब उन्होंने कांग्रेस छोड़ने का फैसला किया है।

रनवे पर दो विमान एक दूसरे के संपर्क में आए; बाल- बाल बची यात्रियों की जान, डीजीसीए ने लिया ये एक्शन

नई दिल्ली ।
कोलकाता एयरपोर्ट पर एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब रन-वे से गुजरते हुए एक इंडिगो का एक विमान एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान के संपर्क में आ गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस का ये विमान कोलकाता से चेन्नई की तरफ जाने के लिए तैयार हो रहा था। इस मामले में विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने कार्रवाई करते हुए इंडिगो के पायलटों को रोस्टर से हटाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही नियामक ने इस मामले में एक विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

इंडिगो के प्रवक्ता ने इस हादसे के बारे में बताया कि कोलकाता हवाई अड्डे पर इंडिगो का एक विमान और एक अन्य विमान के साथ मामूली रूप से संपर्क में आ गया। प्रोटोकॉल के अनुसार, विमान निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई के लिए बे में लौट आया। इसके चलते इंडिगो की कोलकाता और दरभंगा के बीच उड़ान संख्या 6ई 6152 में देरी हो गई।

इंडिगो के अनुसार सभी यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराया गया है और यात्रियों को होने वाले विलंब और असुविधा को कम करने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है। इंडिगो यात्री सुरक्षा को सबसे

ऊपर प्राथमिकता देता है। प्रोटोकॉल के तहत घटना की रिपोर्ट डीजीसीए को सौंपी जाएगी।

इंडिगो के विमान में चार शिशुओं समेत 135 यात्री थे सवार

वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से भी घटना की पुष्टि की गई है। एयरलाइन ने कहा है कि हमारा विमान चेन्नई के लिए निर्धारित प्रचालन से पहले कोलकाता के रनवे में प्रवेश की मंजूरी की प्रतीक्षा कर रहा था। इसी दौरान यह घटना घटी। आगे की जांच चल रही है, जिसके लिए हम नियामक और हवाई अड्डे के अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं।

कुछ फिनटेक कंपनियों के खिलाफ जांच कर रहा प्रतिस्पर्धा आयोग, चेयरपर्सन बोलीं-फिल्म उद्योग पर है नजर

नई दिल्ली ।
भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) कुछ फिनटेक कंपनियों के खिलाफ जांच कर रहा है। साथ ही, प्रतिस्पर्धी डिजिटल बाजार सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम भी उठा रहा है। सीसीआई की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा, जांच में हम देख रहे हैं कि फिनटेक कंपनियां कैसे प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रही हैं

और क्या इसके जरिये वे बाजार में प्रतिस्पर्धा को प्रभावित कर रही हैं उन्होंने इस संबंध में और जानकारी दिए बिना कहा, नियामक फिल्म उद्योग खासकर फिल्म वितरकों से संबंधित कुछ मामलों को भी देख रहा है।

सीसीआई चेयरपर्सन ने कहा, प्रतिस्पर्धा कानून को लेकर विभिन्न इकाइयों के बीच जागरूकता बढ़ी है। हमारा ध्यान 'विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने' पर है। नियामक का ध्यान बड़ी तकनीकी कंपनियों के साथ फिनटेक और ऑनलाइन मध्यस्थ सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न क्षेत्रों पर है। उन्होंने कहा, यह सब विनियमन व स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन बनाने को लेकर है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बाजार प्रतिस्पर्धी बना रहे और यह सभी संबद्ध पक्षों के लिए निष्पक्ष रूप से काम करे।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से आर्थिकी पर पड़ेगा सकारात्मक असर

कौर ने कहा, बाजार खराब करने की गतिविधियों को दूर करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। नवाचार को गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा, आयोग डिजिटल बाजार से जुड़े मामलों में तेजी ला रहा है। यह अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष डिजिटल बाजार सुनिश्चित करेगा। हालांकि, नियामकीय परिदृश्य को लेकर कानूनी चुनौतियां भी हैं। हमारा ध्यान एक ऐसा परिवेश बनाने पर रहता है, जहां प्रतिस्पर्धा हो।

अडाणी फैमिली ने अंबुजा सीमेंट में 6,661 करोड़ निवेश किया

इससे कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 66.7 प्रतिशत हुई, शेयर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी

नई दिल्ली।
बिलेनियर गौतम अडाणी के परिवार ने अंबुजा सीमेंट में 6,661 करोड़ रुपए निवेश किया है, जिससे सीमेंट बनाने वाली कंपनी में उनकी हिस्सेदारी 3.6 प्रतिशत बढ़कर 66.7 प्रतिशत हो गई है। अंबुजा सीमेंट ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है। इससे पहले अक्टूबर 2022 में वारंट के माध्यम से अडाणी फैमिली ने अंबुजा सीमेंट्स में 5,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था। अधिग्रहण के बाद कंपनी के प्रमोटरों ने अब तक अंबुजा में 11,661 करोड़ रुपए निवेश किए हैं।

कंपनी ने कहा कि इस निवेश से उसकी फाइनेंशियल सिचुएशन मजबूत होगी और हम डेवलपमेंट प्लान को आगे बढ़ाने के साथ इमर्जिंग अपॉर्चुनिटी का फायदा उठा सकेंगे। अडाणी ग्रुप ने जून 2022 में 10.5 बिलियन डॉलर में अंबुजा सीमेंट और एसीसी सीमेंट को खरीदा था।

यह विजन और बिजनेस मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण - अंबुजा सीमेंट के सीईओ अजय कपूर ने कहा,हम अडाणी फैमिली के हिस्सेदारी बढ़ाने के फैसले की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। यह फंड अंबुजा को फास्ट-ट्रैक ग्रोथ के लिए कैपिटल फ्लेक्सिबिलिटी प्रोवाइड करता है।

यह न केवल हमारे विजन और बिजनेस मॉडल में दृढ़ विश्वास का प्रमाण है, बल्कि हमारे स्टेकहोल्डर्स को लॉग टर्म सस्टेनेबल वैल्यू क्रिएशन प्रोवाइड करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

अंबुजा सीमेंट के शेयर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी - अंबुजा सीमेंट के शेयर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 1 बजे कंपनी का शेयर 2.19 प्रतिशत तेजी के साथ 614 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 6 महीनों में अंबुजा सीमेंट के शेयर में 46 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

वॉरंट क्या होता है - वॉरंट एक तरह का फाइनेंशियल कॉन्ट्रेक्ट होता है। कंपनियां इसका इस्तेमाल फंड रेज करने के लिए करती है।

ये निवेशकों को एक्सपायरेशन से पहले एक निश्चित कीमत पर उस कंपनी के निश्चित शेयर खरीदने या बेचने का अधिकार देता है।

भारतीय और अमेरिकी वॉरंट किसी भी समय एक्सपायरी डेट पर या उससे पहले एग्जीक्यूट किए जा सकते हैं, जबकि यूरोपीय वॉरंट केवल एक्सपायरी डेट पर ही एग्जीक्यूट हो सकते हैं। शेयर खरीदने का अधिकार देने वाले वॉरंट को कॉल वारंट कहा जाता है। वहीं, शेयर बेचने का अधिकार देने वालों को पुट वॉरंट के रूप में जाना जाता है।

11 साल के बाद भारत में टीवी पर दिखेंगे न्यूजीलैंड के मैच, सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर उठा सकेंगे लुत्फ

नई दिल्ली।
न्यूजीलैंड क्रिकेट भारत में 11 साल के बाद टीवी पर देखा जा सकेगा। 2013 में न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज के बीच सीरीज के समय अंतिम बार न्यूजीलैंड क्रिकेट के टीवी प्रसारण अधिकार नियो स्पोर्ट्स के पास थे। इसके बाद अब सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने सात साल के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार प्राप्त कर लिए हैं। इनमें पुरुषों (ब्लैककैप्स) और महिलाओं (वाइट फर्न्स) के सभी प्रारूप के मैच (टी-20, वनडे और टेस्ट) शामिल होंगे। यह भारत में क्रिकेट प्रशंसकों के लिए भी बड़ी खुशखबरी है। इससे पहले अमेजन प्राइम वीडियो ने 2020 में 2024-25 सत्र तक के डिजिटल प्रसारण अधिकार लिए थे, परंतु टीवी प्रसारण अधिकार लंबे समय से किसी के पास नहीं थे।

टीवी प्रसारण मिलना थी बड़ी चुनौती

वर्ल्ड की सबसे सफल टीमों में शामिल होने के बावजूद न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के घरेलू मैचों का भारत में टीवी प्रसारक मिलने का यह सफर बहुत चुनौतीपूर्ण रहा है। इसका प्रमुख कारण भारतीय समयानुसार न्यूजीलैंड में सुबह तीन बजे मैच का शुरू होना है। भारतीय टीवी प्रसारकों का मानना रहा है कि यह समय भारतीय दर्शकों को इनके मैच देखने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के मैचों का करेंगे प्रसारण

एक मई 2024 से 30 अप्रैल 2031 तक के इस ऐतिहासिक करार में 2026-27 और 2030-31 की गर्मियों में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के अलावा इस अवधि के दौरान न्यूजीलैंड में खेले जाने वाले सभी अन्य द्विपक्षीय टेस्ट, वनडे और टी20 मैच शामिल होंगे। सभी मैचों का प्रसारण टीवी पर सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और आनलाइन लाइवस्ट्रीमिंग सोनी लिव पर की जाएगी। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के पास इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ करार भी शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

धोनी इस कारण निचले क्रम पर उतर रहे : हसी

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को इस बार बल्लेबाजी के लिए आठवें नंबर पर रखा गया है जिससे प्रशंसक हैरान हैं। वहीं बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने कहा कि 'इंपेक्ट प्लेयर नियम के कारण बल्लेबाजी क्रम लंबा हो गया है, इसलिए ऐसा ऐसा हो रहा है। 'इंपेक्ट प्लेयर नियम गत वर्ष 2023 सत्र से शुरू किया गया था। इसमें हर फ्रेंचाइजी को पांच खिलाड़ियों को नामित करने की अनुमति मिलती है और इनमें से एक मैच के दौरान स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरता है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ सीएसके टीम को जीत मिली थी पर इस मैच में सातवें नंबर तक भी जब धोनी नहीं उतरे तो दर्शक आशंकित हो गये थे। इसी को लेकर हसी ने कहा, 'मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का स्पष्ट निर्देश है कि मुकाबले को आगे बढ़ाते रहें। 'इंपेक्ट प्लेयर नियम ने बल्लेबाजी क्रम को लंबा कर दिया है जिसमें धोनी आठवें नंबर पर रखे गये हैं। उन्होंने कहा, 'इसी कारण ऊपरी क्रम के बल्लेबाज बिना किसी दबावा के आक्रामक रुख अपना सकते हैं। उन्हें निश्चित रूप से कोच और कप्तान का समर्थन प्राप्त है। उन्हें पता है कि अगर वे आक्रामक खेलते समय विकेट भी गंवा देते हैं तो भी धोनी आगे आकर हालात संभाल लेंगे। सुपरकिंग्स के लिए अब तक न्यूज़ीलैंड के क्रिकेटर रचिन रविंद्र ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। ट्रेनिंग के दौरान रचिन के साथ कैसे काम किया, इस बारे में हसी ने कहा कि उन्हें 'अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने को कहा गया। उन्होंने कहा, 'उसने बेहतरीन शुरुआत की है, यह देखना शानदार है। वह यहां काफी ऊर्जा के साथ आया है और अधिक सीखना चाहता है और टीम पर सकारात्मक प्रभाव डालना चाहता है।

शमी जैसे गेंदबाज की कमी पूरी करना कठिन रहेगा : मोहित

नई दिल्ली । गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहित शर्मा ने माना है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करना टीम के लिए कठिन रहेगा। शमी टखने की सर्जरी के बाद से ही खेल से दूर हैं। मोहित ने कहा, ''किसी भी टीम के लिए शमी जैसे गेंदबाज की कमी खलेगी और आप उनकी भरपाई किसी अन्य खिलाड़ी से नहीं कर सकते पर चोट पर किसी का नियंत्रण नहीं है और आपको यह देखना होगा कि इसके साथ कैसे आगे बढ़ना है।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक गुजरात टाइटंस की बात है, स्पेंसर जॉनसन और अजमतुल्लाह उमरजई पहली बार खेल रहे हैं और उन्हें अनुभव नहीं होने के कारण नुकसान हुआ है। इसलिए हमें उनके साथ धैर्य रखना चाहिए और परिणामों पर बहुत अधिक ध्यान नहीं देना चाहिए।'' माना जा रहा है कि शमी अब बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज से ही वापसी करेंगे। सर्जरी के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज से भी बाहर थे। वह वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाएंगे।

मुंबई में पांड्या को करना पड़ सकता है दर्शकों की नाराजगी का सामना : मनोज तिवारी

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि एक अप्रैल को कप्तान हार्दिक पांड्या को मुम्बई में होने वाले आईपीएल मुकाबले में दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ सकता है। पांड्या को इस सत्र से पहले रोहित शर्मा की जगह मुम्बई का कप्तान बनाया गया था जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर विरोध जताया था। इस सत्र की शुरुआत से पहले मुंबई के कप्तान के रूप में जब हार्दिक अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलने उतरे तो भी अहमदाबाद में प्रशंसकों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की थी। मुंबई इंडियन्स की टीम इस मैच में गुजरात से छह रनों से हार गई और ऐसे में अब अगले वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मैच में पांड्या को मुम्बई में लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। तिवारी ने कहा, 'आपको यह देखना होगा कि यहां मुंबई में उसका स्वागत कैसे किया जाता है। मुझे लगता है कि यहां उसकी ज्यादा ही हूटिंग हो सकती है क्योंकि एक प्रशंसक के रूप में मुंबई या रोहित शर्मा के प्रशंसक के रूप में, किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि कप्तानी हार्दिक को दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच बार खिताब जिताये थे पर इसके बाद भी उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया, इससे भी लोगों में नाराजगी है जिसका सामना पांड्या को धैर्य से करना होगा।

हार्दिक पांड्या की कप्तानी से झल्लाए पठान मुंबई इंडियंस के कप्तान को जमकर लगाई लताड़

नई दिल्ली।
भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने हार्दिक पांड्या की कप्तानी पर जमकर भड़ास निकाली है। मुंबई इंडियंस की कप्तानी करते हुए हार्दिक पांड्या के फैसले इरफान पठान को बिलकुल रास नहीं आए। पूर्व ऑलराउंडर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सिलसिलेवार ट्वीट करके हार्दिक पांड्या की आलोचना की।

बता दें कि हैदराबाद में आईपीएल 2024 के आठवें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस को 31 रन से मात दी। यह मुकाबला रिकॉर्ड्स के नजरिये से ऐतिहासिक बन गया। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। ऑरेंज आर्मी ने अपने बैटर्स के तूफानी प्रदर्शन की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 277 रन बनाए।

इरफान पठान हुए आगबबूला

मुंबई इंडियंस की फील्डिंग के समय हार्दिक पांड्या के गेंदबाजी बदलाव के फैसले से इरफान पठान नाखुश दिखे। उन्होंने ट्वीट किया, कम से कम यही कहा जा सकता है कि हार्दिक पांड्या की कप्तानी बेहद साधारण रही है। जब सामने वाली टीम आक्रमण कर रही है तब बुमराह को लंबे समय तक गेंदबाजी से दूर रखना मेरी समझ के बाहर है।

फिर बैटिंग पर फोड़ा गुस्सा

हैदराबाद द्वारा मिले 278 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों ने भी तगड़ा पलटवार किया। हालांकि, बैटिंग में भी कमजोर कड़ी कोई साबित हुआ तो वो रहे कप्तान हार्दिक पांड्या। हार्दिक पांड्या 20 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 24 रन बना सके। वह जयदेव उनादकट की गेंद पर विकेटकीपर क्लासेन को कैच थमाकर पवेलियन लौट गए।

इरफान पठान को हार्दिक पांड्या की बैटिंग पर भी गुस्सा आया, जिसे उन्होंने जाहिर करने से गुरेज नहीं किया। पठान ने एक और ट्वीट किया, अगर पूरी टीम 200 के स्ट्राइक रेट से खेल रही है तो कप्तान 120 के स्ट्राइक रेट के साथ बैटिंग नहीं कर सकता है।

मुंबई का बुरा हाल

बता दें कि हार्दिक पांड्या के खराब फैसलों का खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ा। मुंबई इंडियंस को टूर्नामेंट में लगातार दूसरी शिकस्त का सामना करना पड़ा। हार्दिक पांड्या के नेतृत्व वाली मुंबई इंडियंस खराब प्रदर्शन के कारण आईपीएल 2024 की प्वाइंट्स टेबल में 9वें स्थान पर लुढ़क गई है।

वैसे भी हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाए जाने के बाद से मुंबई इंडियंस में सबकुछ सही नहीं चल रहा है। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि मुंबई इंडियंस की टीम दो धड़ो (रोहित और हार्दिक) में बट गई है। अब देखना होगा कि मुंबई की पलटन अपने अगले मैच में दमदार वापसी कर पाती है कि नहीं। मुंबई को अपना अगला मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

क्लासेन ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर पहुंचे, पर्पल कैप के लिए मुस्ताफिजुर का दावा

हैदराबाद । आईपीएल 2024 में सनराइजइर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हेनरिच क्लासेन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप पर अपना दावा मजबूत कर लिया है। क्लासेन की पारी की सहायता से सनराइजइर्स ने इस मैच में आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाकर पांच बार की खिताब विजेता मुम्बई इंडियंस का हराया। क्लासेन अब इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। इस प्राकर उन्होंने ऑरेंज कैप की दौड़ में आरसीबी के विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। क्लासेन ने अपनी पारी के दौरान 34 गेंदों पर 4 चौकों और 7 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन बनाए। इस दौरान उनकी स्ट्राइक रेट 235.29 रन रहा। इस पारी के बल पर क्लासेन इस आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। क्लासेन के अब 2 मैचों में 143 रन हो गए हैं। वहीं आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली के 2 मैचों में 98 रन हैं और वह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं। अभिषेक ने 2 मैचों में 95 रन बनाए हैं। वहीं मुम्बई के तिलक वर्मा 89 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं जबकि सैम करेन 86 रन के साथ पांचवें नंबर हैं। वहीं गेंदबाजों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान पहले नंबर पर होने के साथ ही पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। मुस्ताफिजुर ने 2 मैचों में सबसे ज्यादा 6 विकेट लिए हैं। वहीं 11 गेंदबाजों के एक समान 3 विकेट हैं पर लेकिन बेहतर इकॉनोमी रेट की वजह से पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार दूसरे नंबर पर हैं। सनराइजर्स के तेज गेंदबाज टीम नटराजन तीसरे जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स के हर्षित राणा चौथे व मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह पांचवें नंबर पर हैं।

अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा : मेसी

वाशिंगटन।
लियोनल मेसी ने अभी तक संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि जब वो संन्यास लेंगे तो इस फैसले के पीछे उम्र निर्णायक कारक नहीं होगी।

लियोनल मेसी ने संन्यास को लेकर एकबार फिर अपना मन बदला है। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अपने करियर को तभी अलविदा कहेंगे जब उन्हें लगेगा कि वह अब अपना बेस्ट नहीं दे सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मेसी ने कहा, मुझे पता है कि जिस क्षण मुझे लगेगा कि मैं अब अच्छा नहीं कर पा रहा हूं या मैं खेल का आनंद नहीं ले रहा हूं या अपने साथियों की मदद नहीं कर रहा हूं, तब मैं उसी क्षण संन्यास ले लूंगा।

मुझे पता है कि मैं कब अच्छा और कब खराब खेलता हूं। जब मुझे लगेगा कि यह कदम उठाने का समय आ गया है, तो मैं उम्र के बारे में सोचे बिना ऐसा करूंगा।

अगर मुझे अच्छा लगता है, तो मैं प्रतिस्पर्धा जारी रखने की कोशिश करूंगा। यह वही है जो मुझे पसंद है और मैं जानता हूं कि इसे कैसे करना है।

कतर में फीफा विश्व कप 2022 खिताब के लिए अर्जेंटीना का नेतृत्व करने के बाद, मेसी ने कहा कि उन्होंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी उन्हें उम्मीद थी।

मेसी ने कहा, मैंने अभी तक संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। फिलहाल, मैं भविष्य के बारे में सोचे बिना हर दिन, हर पल का आनंद लेने की कोशिश करता हूं। इसलिए जब सही समय आएगा तब मैं इसके बारे में सोचूंगा।

मेसी ने इंटर मियामी के लिए 19 मैचों में 16 गोल किए हैं और सात सहायता प्रदान की है, जिसमें वह पिछले जुलाई में पेरिस सेंट-जर्मेन से फ्री ट्रांसफर पर शामिल हुए थे।

मेदवेदेव ने जैरी को हराया, मियामी में सिनर से सेमीफाइनल में टक्कर

फ्लोरिडा।
दानिल मेदवेदेव ने चिली के निकोलस जैरी के दूसरे सेट के संघर्ष पर काबू पाते हुए 6-2, 7-6(7) से जीत दर्ज की और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जानिक सिनर से भिड़ेंगे जो ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल का रीमैच होगा। मेदवेदेव ने पहले सेट में जैरी के14 के मुकाबले केवल तीन अप्रत्याशित गलतियां कीं, इससे पहले कि जैरी ने मैच में वापसी की और एक रोलरकोस्टर टाई-ब्रेक में दूसरा सेट चुराने के दो अंक के भीतर आ गए।

रिपोर्ट के अनुसार, लेकिन मेदवेदेव ने हार्ड रॉक स्टेडियम में अपनी जीत का सिलसिला नौ मैचों तक बढ़ाने का साहस दिखाया और अपने करियर में पहली बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से दो जीत दूर रह गए हैं। यदि जैरी मेदवेदेव को हराते तो वह शीर्ष 20 में लौट आते और 2004 में फर्नांडो गोंजालेज के बाद मियामी के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले चिलीवासी बन जाते। इससे पहले दिन में, सिनर ने वर्ष के अपने चौथे सेमीफाइनल में प्रवेश किया और मियामी ओपन में सीजन की अग्रणी 20वीं मैच जीत हासिल की। इटालियन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक खिलाड़ी टॉमस मचाक को 91 मिनट में 6-4, 6-2 से हरा दिया। सिनर, जो दो बार मियामी (2021, 2023) में फाइनल में पहुंच चुके हैं, तीसरी बार अंतिम चार में पहुंचे हैं। अपने दूसरे एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब का लक्ष्य रखते हुए, एटीपी रैंकिंग में नंबर 3 खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोटरडम में खिताब के साथ 20-1 सीज़न रिकॉर्ड कर लिया है।

श्रीजेश, सविता, हरमनप्रीत सहित कई खिलाड़ी हॉकी इंडिया पुरस्कारों की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली ।
भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कप्तान और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह के अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान और गोलकीपर सविता पूनिया हॉकी इंडिया पुरस्कारों की दौड़ में सबसे आगे हैं। ये पुरस्कार इस महीने के अंत में 31 मार्च को यहां एक समारोह में दिये जाएंगे। हॉकी इंडिया ने अपने सालाना पुरस्कार समारोह के लिए नामांकित खिलाड़ियों में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और सविता को पुरुष और महिला वर्ग में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में शामिल किया है। श्रीजेश और पूनिया ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी कारण इन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया है। इसके अलावा डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को भी दो वर्गों में पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। उन्हें वह वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के साथ ही वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार भी मिल सकता है। दोनों ही वर्गों में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए 25-

25 लाख रुपये जबकि गोलकीपिंग ट्रॉफी जीतने वाले खिलाड़ी को पांच लाख रुपये मिलेंगे। हॉकी इंडिया ने आठ वर्गों में कुल 32 खिलाड़ियों को नामांकित किया गया है और पुरस्कारों की कुल राशि 7.56 करोड़ रुपये होगी। हॉकी इंडिया ने कहा कि, हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार में 30 लाख रुपये का सबसे बड़ा नकद पुरस्कार होगा जो वर्षों से खेल में असाधारण योगदान करने वाले खिलाड़ी को दिया जायेगा। अंडर-21 खिलाड़ियों के लिए वर्ष के उभरते हुए पुरुष खिलाड़ी के लिए जुगराज सिंह पुरस्कार और वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी के लिए असुंता लाकड़ा पुरस्कार दिया जायेगा जिसमें प्रत्येक को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड के लिए धनराज पिल्लै पुरस्कार की पुरस्कार राशि पांच लाख रुपये होगी।

विमेंस एशिया कप का शेड्यूल घोषित

भारत-पाकिस्तान मैच 21 जुलाई को; सितंबर में होना है टी-20 वर्ल्ड कप

नई दिल्ली ।
एशियन क्रिकेट काउंसिल ने विमेंस एशिया कप का शेड्यूल घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट 19 से 28 जुलाई तक श्रीलंका के दम्बुला शहर में खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं और दोनों के बीच ब्लॉकबस्टर मुकाबला 21 जुलाई को होगा। विमेंस एशिया कप के ठीक बाद सितंबर में विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप भी होना है। जिसका वेन्यू बांग्लादेश है। ऐसे में टूर्नामेंट से ठीक पहले एशियन टीमों के लिए एशिया कप ही तैयारी का आखिरी मौका रहेगा।

8 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा - 2022 में पिछला एशिया कप बांग्लादेश में खेला गया। इस दौरान 7 टीमों ने हिस्सा लिया और हर टीम ने एक-दूसरे के खिलाफ 6 मैच खेले। इस बार एक टीम बढ़ाकर टूर्नामेंट में 8 टीमें कर दी गईं। सबसे सफल टीम भारत के अलावा टूर्नामेंट में 2018 की चैंपियन बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, थाईलैंड, मलेशिया और यूएई भी हैं।

भारत-नेपाल के बीच होगा ओपनिंग मैच - 19 जुलाई को टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच भारत और नेपाल के बीच होगा। इसी दिन पाकिस्तान का सामना यूएई से होगा। चारों टीमें ग्रुप-ए में हैं। वहीं श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड ग्रुप-बी में हैं। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। दोनों नॉकआउट मुकाबले 26 जुलाई को होंगे, यहां जीतने वाली टीमों के बीच 28 जुलाई को फाइनल होगा।

वर्ल्ड कप में आखिरी बार भिड़ी थीं दोनों टीमें - भारत और पाकिस्तान के बीच विमेंस टी-20 फॉर्मेट में 14 मुकाबले खेले गए। 11 में भारत और महज 3 में पाकिस्तान को जीत मिली। दोनों के बीच आखिरी मुकाबला टी-20 वर्ल्ड कप दौरान फरवरी 2023 में केपटाउन के मैदान पर हुआ था, इसे भारत ने 7 विकेट से जीता। एशिया कप में दोनों के बीच आखिरी मैच 2022 में हुआ था, तब पाकिस्तान को 13 रन से जीत मिली थी।

द हंड्रेड के साथ चलेगा एशिया कप - इस बार का विमेंस एशिया कप द हंड्रेड विमेंस टूर्नामेंट के साथ होगा। इंग्लैंड का फ्रेंचाइजी लीग टूर्नामेंट 23 जुलाई से शुरू होना है, जिसमें टीम इंडिया की कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप कप्तान स्मृति मंधाना और विकेटकीपर ऋचा घोष हिस्सा लेंगी। इनके अलावा श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू भी टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। चारों प्लेयर्स एशिया कप खत्म होने के बाद द हंड्रेड खेलने जाएंगी।

2004 में शुरू हुआ विमेंस एशिया कप - एसीसी ने विमेंस एशिया कप की शुरुआत 2004 में की। तब से 8 बार टूर्नामेंट खेला गया। 7 बार भारत और एक बार बांग्लादेश ने खिताब जीता। 2008 तक 4 बार टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट में खेला गया, हर बार भारत ने ट्रॉफी जीती। 2012 में टी-20 विमेंस एशिया कप की शुरुआत हुई। 2012 के बाद 2016, 2018 और 2022 में 4 बार टूर्नामेंट खेला गया। 3 बार इंडिया विमेंस टीम चैंपियन बनी, वहीं 2018 में एक बार बांग्लादेश ने भारत को ही हराकर खिताब जीता।

सौंदर्य

रोज मौसमी का जूस पीने से होंगे चमत्कारी फायदे

मौसमी का जूस हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। मौसमी का जूस लोग शौक से पीना भी पसंद करते हैं. इसमें विटामिन सी और पोटेशियम जैसे खनिज पाए जाते हैं। मौसमी की तासीर ठंडी होती है। यह शीतलता प्रदान करता है. यह पित्त भी मारता है। मौसमी का जूस स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है. यह हेल्दी होने के साथ ही उर्जा पहुंचाने वाला भी होता है।

चमत्कारी फायदे जाने

स्कर्वी रोग से बचाव: यह रोग आमतौर पर अपने आहार में विटामिन सी की कमी के कारण होता है। स्कर्वी के कारण मसूड़ों में सूजन, बार बार फ्लू होना, जुकाम और होंठ का फटना आदि लक्षण होते हैं। मौसमी रस स्कर्वी के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि यह विटामिन सी युक्त एक उच्च सामग्री है।

पाचन शक्ति बढ़ाता है: मौसमी रस की मीठी सुगंध से अत्यधिक मात्रा में लार बनती है,जिससे पाचक रस और एसिड का स्राव होता हैजो जल्दी से भोजन को पचाने के कार्य को बढ़ाता है। उस के अलावा मौसमी रस यौगिकों में क्रमिक वृत्तों में सिकुड़ने वाली गति के लिए फायदेमंद होता है।

कब्ज में लाभदायक: मौसमी का रस आंत्र इलाकों में मौजूद विषाक्त पदार्थों को दूर करने के लिए बहुत लाभकारी हैं। मौसमी के रस में पोटेशियम काफी मात्रा में पाया जाता है जो कि पेट की गड़बड़ी, पेचिश और दस्त में लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह अपने स्वादिष्ट स्वाद के परिणाम के रूप में उल्टी और मतली से बचने में मदद करता है।

त्वचा लाभ: मौसमी का रस त्वचा के लिए बहुत अच्छा है और यह रंजकता, धब्बे और पिंपल्स को दूर करने में मदद करता है। यह भी चेहरे पर एक उज्ज्वल चमक और कांति प्रदान करता है।

मधुमेह लाभ: मधुमेह रोगियों के लिए मौसमी का रस काफी राहतकारी है और सकारात्मक परिणाम देता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए आंवला रस और शहद के साथ मौसमी रस खाली पेट सुबह के समय में कम मात्रा में लिया जा सकता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार: मौसमी के रस का नियमित सेवन एक बहुत स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली की ओर जाता है। यह हृदय में उचित रक्त परिसंचरण सुनिश्चित करता है जो कि प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करने के लिए जाना जाता रहा है।

अल्सर के उपचार: पेप्टिक अल्सर खुले घावों, पेट या ऊपरी आंत की भीतरी परत पर पाए जाते हैं और यह पेट दर्द का एक व्यापक कारण है। मौसमी रस एसिड प्रणाली में एक क्षारीय प्रतिक्रिया के कारण गैस्ट्रिक अम्लता को कम करके पेप्टिक अल्सर से राहत प्रदान करता है। सबसे अच्छा परिणाम पाने के लिए आप मौसमी और नींबू के रस का एक मिश्रण पी सकते हैं। गर्म पानी में मौसमी का रस पीने से मुंह के छालों और सांस की बदबू की समस्या खत्म हो जाती है।

अच्छी आँखों के लिए: अपनी एंटीऑक्सिडेंट और जीवाणुरोधी गुण के कारण मौसमी रस संक्रमण और पहलवान अध: पतन से अपनी आंखों की सुरक्षा करता है। सादे या नमक के पानी में मौसमी के रस की कुछ बूंदों के साथ अपनी आँखें धोकर नेत्रश्लेष्मलाशोथ जैसे संक्रमण के इलाज में मदद कर सकते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद: गर्भवती महिलाओं को अक्सर मौसमी रस पीने के लिए कहा जाता है क्योंकि इसमें मौजूद कैल्शियम बढ़ रहे भ्रूण और मां दोनों के लिए ही बहुत लाभकारी होता है।

बाल धोने के रूप में प्रयोग: मौसमी का रस बालों में जमी हुई गंदगी को हटाने के लिए शैम्पू और कंडीशनर से बेहतर है। इस प्रकार मुलायम और चमकदार बालों को पाने के लिए मौसमी के रस का इस्तेमाल किया जा सकता है।

मूत्र विकार का इलाज: मौसमी रस पोटेशियम के मामले में काफी समृद्ध होता है जो कि मूत्र विकार के उपचार में मदद करता है। मूत्राशय की सूजन भी मूत्र मार्ग में संक्रमण (यूटीआई) के रूप में जानी जाती है। मूत्र विकार में तत्काल राहत के लिए मौसमी का रस पानी में उबालक ठंडा करने के बाद कुछ घंटों के भीतर ले लिया जाना चाहिए। इससे आपको तुरंत रहत मिलेगी।

तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से मिलेंगे बेमिसाल फायदे

स्वस्थ रहने के लिए दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना जरूरी होता है लेकिन तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से शरीर को काफी फायदे होते हैं। इससे शरीर के जहरीले तत्व बाहर निकल जाते हैं और पेट की कई समस्याएं दूर हो जाती हैं। आइए जानिए तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने के लाभ

1. पेट की समस्या : तांबे के बर्तन में रात भर पानी रखें और सुबह खाली पेट पीने से पेट साफ होता है। इसमें रखे पानी को शुद्ध माना जाता है जो डायरिया और पेट की अन्य बीमारियों को पैदा होने से रोकता है। इसके अलावा यह पाचन क्रिया को भी सही ढंग से काम करने में मदद करता है।

2. थायराइड : शरीर में थायरेक्सीन हार्मोन के असुंतलन के कारण थायराइड की बीमारी हो जाती है। इस समस्या में कई लोगों का वजन कम हो जाता है और किसी का जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है। इसके लिए तांबे के बर्तन में रखा पानी पीएं जिससे यह बीमारी कंट्रोल में रहती है।

3. गठिया : हड्डियों के कमजोर होने की वजह से कई लोगों को गठिया और जोड़ों में दर्द की समस्या हो जाती है। ऐसे में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से फायदा होता है। इसमें ऐसे गुण होते हैं जो शरीर में यूरिक एसिड को कम करते हैं जिससे जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है।

नजर को कैसे नुकसान पहुंचाता है धूम्रपान

धूम्रपान करने सेहत के लिए बहुत हानिकारक है, इसके पैकेट पर भी यही लिखा होता है। फिर भी हम धूम्रपान करते हैं। अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि धूम्रपान से न केवल फेफड़ों का कैंसर होता है बल्कि इसके कारण अंधापन, डायबिटीज, लीवर का कैंसर और पौरुष में कमी जैसी बीमारियां भी होने लगती हैं। तंबाकू हमारे शरीर साथ आंखों को भी प्रभावित करता है। धूम्रपान करने वालों की आंखों में जलन होना सामान्य है, इसके अलावा इससे आंखों की रोशनी भी जा सकती है। हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के रोगियों को धूम्रपान बिलकुल भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे रक्त में निकोटिन का स्तर बढ़ जाता है, जो रेटीना के लिए खतरनाक है। इस लेख में विस्तार से जानिये धूम्रपान नजर को कैसे प्रभावित करता है।

नमी खत्म होना

सिगरेट में निकोटीन युक्त तंबाकू होता है। इसमें मौजूद कई ऑक्सीडेंट्स आंखों को नुकसान पहुंचाते हैं। धूम्रपान करने वालों के संपर्क में हमेशा रहने वाले लोगों को भी यही खतरा रहता है। कई बार धूम्रपान नहीं करने वालों की आंखें सिगरेट या बीड़ी के गुल से जल जाती हैं। धूम्रपान करने वालों की आंखों को तंबाकू के जहरीले धुएं में मौजूद रसायनों से कंजक्टिवा के ग्लोबलेट सेल्स क्षतिग्रस्त हो सकते हैं, जिनके कारण आंख की सतह पर नमी बनी रहती है। इसी तरह धुएं में मौजूद कार्बन पार्टिकल्स पलकों पर जमा हो सकते हैं, इसके कारण आंखों की नमी और गीलापन खत्म हो सकता है। अगर यह लंबे समय तक बना रहे तो आंखों में खुजली होती है और नजर में धुंधलापन हो सकता है।

मोतियाबिंद की समस्या

अमेरिकी इकाई सर्जन जनरल की रिपोर्ट की मानें तो धूम्रपान से आंखों की कई समस्यायें हो सकती हैं, इसमें मोतियाबिंद भी है। धूम्रपान के जरिये तंबाकू के संपर्क में आने वाले लोगों में दूसरों के मुकाबले मोतियाबिंद होने का खतरा अधिक होता है। इसी तरह न्यूक्लियर और पोस्टियर पोलर किस्म के कैटरेक्ट भी इन्हीं लोगों को छोटी उम्र से ही होने लगते हैं। मेक्यूलर डीजनरेशन कई अध्ययनों से पता चला है कि धूम्रपान करने वाले लोगों को दूसरों के मुकाबले उम्र आधारित मेक्यूलर डीजनरेशन का जोखिम दोगुना रहता है।

ऑप्टिक न्यूरोपैथी

धूम्रपान का सबसे बुरा नतीजा है एम्बलायोपिया और ऑप्टिक न्यूरोपैथी। धूम्रपान के जरिये तंबाकू में मौजूद निकोटिन रेटीना और ऑप्टिक नर्व की कोशिकाओं पर घातक प्रभाव छोड़ते हैं। नजर के लिए रेटीना और ऑप्टिक नर्व महत्वपूर्ण होती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने से आंखों को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

धूम्रपान, बीमारियां और नजर

धूम्रपान करने वालों को थायरॉयड, मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्?या हो सकती है। इन बीमारियों के कारण नजर प्रभावित होती है। डायबिटीज के रोगियों में डायबिटिक न्यूरोपैथी की बीमारी हो जाती है, इसके कारण आंखों की रोशनी कम हो जाती है। डायबिटीज के रोगी अंधेपन के शिकार भी हो सकते हैं। धूम्रपान सेहत के लिहाज से पूरी तरह से हानिकारक है। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह का धूम्रपान आंखों के लिए नुकसानदेह है। धूम्रपान वाली जगह पर जाने से बचें और धूम्रपान को अलविदा कहें।

बागवानी

गर्मियों में घर पर ही उगाएं ये सब्जियां

सेहतमंद रहने के लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करना बहुत जरूरी है। वहीं अगर घर पर उगी हरी सब्जियां खाई जाएं तो यह स्वादिष्ट तो लगती ही है साथ में अधिक पौष्टिक भी होती है। आप अपने घर के आसपास खाली पड़ी जगह में सब्जियां उगा सकते है। आप गर्मियों में ऐसी सब्जियां लगा सकते है जिन्हें गर्म तापमान की जरूरत होती है।

1. खीरा

अपने बगीचे में खीरा उगाएं। इसका पेड़ बेल की तरह होता है जो देखने में भी काफी अच्छा लगता है। खीरा खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती।

2. टमाटर

टमाटर को आप किसी गमले या फिर कंटनेर में उगा सकते है। टमाटक का इस्तेमाल को रोजाना किया जाता है। ऐसे में घर पर ही इन्हें उगाएं।

3. फलियां

फलियां को घर पर उगाना काफी आसान है। इसके पौधों को लाइन में लगाकर खाद और पानी दें। इसे आप कम जगह पर भी लगा सकते है।

4. बैंगन

इसे जून-जुलाई के समय बोया जाता है। इसमें बहुत जल्दी कीड़े लग जाते है। ऐसे में रोपाई करते समय कीटनाशक दवा छिड़कें।

प्रैशर कुकर का करते हैं इस तरह इस्तेमाल तो हो जाएं सावधान !

खाना बनाने में प्रैशर कुकर का इस्तेमाल करना आम बात है। इसमें खाना पकाने से वह जल्दी बन जाता है और इसके पौष्टिक गुण भी बरकरार रहते हैं। अक्सर खबरों में कुकर फटने की बातें आम सुनने को मिलती हैं। ऐसे में प्रैशर कुकर का इस्तेमाल करते वक्त कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए नहीं तो नुकसान हो सकता है।

कुकर को जबरदस्ती न खोलें : प्रैशर कुकर में खाना पकाते समय इसमें भाप बन जाती है। जब गैस को बंद किया जाता है उसके बाद भी कुछ देर तक भाप कुकर में ही रहती है लेकिन कई लोग इसमें से प्रैशर निकलने का इंतजार नहीं करते और इसे जबरदस्ती खोलने की कोशिश करते हैं जिससे कई बार कुकर फट सकता है। ऐसे में हमेशा अच्छे से भाप निकलने के बाद ही इसे खोंले।

पानी के बिना कुकर का इस्तेमाल : प्रैशर कुकर में कुछ भी पकाते समय इस बात को ध्यान रखें कि इसमें थोड़ा बहुत पानी जरूर हो। इसके अलावा कुकर पानी से बिल्कुल ऊपर तक न भरें, क्योंकि भाप को जमा होने के लिए जगह की जरूरत होती है। ज्यादा पानी होने की वजह से कुकर फट सकता है।

प्रैशर कुकर में दरार : कुकर जब काफी पुराना हो जाता है तो उसमें दरारें या गड्ढे पड़ जाते हैं जिसे इस्तेमाल करने से नुकसान हो सकता है। इसके लिए हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि कुकर अच्छी तरह साफ हो और उसमें कोई दरार न हो।

बंद करने का तरीका : कुकर को हमेशा सही तरीके से बंद करें जिससे भाप सही तरीके से बन जाए और खाना भी अच्छे से पके। कई कुकर की रबड़ खराब होती है जिससे उसमें खाना पकाने में बहुत समय लगता है।

नीलगिरि की पहाड़ियों में बसा एक पर्वतीय स्थल

ऊटी या उटकमंडलम

ऊटी तमिलनाडु राज्य का एक शहर है। यह शहरमुख्य रूप से एक हिल स्टेशन है। कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा पर बसा है। यह तमिलनाडु प्रान्त में नीलगिरी की पहाड़ियों में बसा हुआ एक लोकप्रिय पर्वतीय स्थल है। इसे हम उधगमंडलम के नाम से भी जानते है। ऊटी समुद्र तल से लगभग 7,440 फीट की ऊचाई पर स्थित है। नीलगिरी में बेस हुए शहर ऊटी में हर साल बड़ी संख्या में लोग घूमने आते है। ऊटी पर्याटको को आकर्षित करने लायक स्थान है,यहाँ की सुंदरता देखते ही बनती है जो कोई यहाँ एक बार घूमने जाता है उसका मन मोहक हो उठता है, जहां से आने का आने का मन ही न करे ऐसा स्थान है ऊटी घनी वनस्पति, चाय के बागान और नीलगिरी के पेड़ यहाँ के पहाड़ों की विशेषता है। प्राकृतिक सुंदरता बनाये रखने के लिये पहाड़ों के कई हिस्सों को वन का दर्जा प्रदान किया गया है।

मान्यता है कि इस स्थान का नाम यहाँ की घाटियों में 12 वर्ष में एक बार फूलने वाले कुरुंजी फूलों के कारण पड़ा। ये फूल नीले रंग के होते हैं तथा जब ये फूल खिलते हैं तो घाटियों को नीले रंग में रंग देते हैं।

ऊटी का आकर्षण

वनस्पति उद्यान

22 हेक्टेयर में फैले इस खूबसूरत बाग की देखरेख बागवानी विभाग करता है। यहां एक पेड़ के जीवाश्म संभाल कर रखे गए हैं जिसके बारे में माना जाता है कि यह 2 करोड़ वर्ष पुराना है। यहां पेड़-पौधों की 650 से ज्यादा प्रजातियां देखने को मिलती है। मई के महीने में यहां ग्रीष्मोत्सव मनाया जाता है। इस महोत्सव में फूलों की प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें स्थानीय प्रसिद्ध कलाकार भाग लेते हैं।

यहाँ की प्रसिद्ध वस्तुएं

ऊटी में ऊटी चाय, हाथ से बनी चॉकलेट, खुशबूदार तेल और मसाले बहुत प्रसिद्ध है। कमर्शियल रोड की बिग शॉप से विभिन्न आकार और डिजाइन के गहने खरीदे जा सकते हैं। यहां के कारीगर पारंपरिक तोडा शैली के चांदी के गहनों को सोने में बना देते हैं। तमिलनाडु सरकार के हस्तशिल्प केंद्र पुंपुहार में बड़ी संख्या में लोग हस्तशिल्प से बने सामान की खरीदारी करने आते हैं।

पर्यटकों का मानना है कि यह हिल स्टेशन सुंदर अंग्रेज गाँव की तरह दिखता है। यह चोटी ऊटी का एक अन्य पर्यटन का आकर्षण है। पर्यटन के मौसम में अर्थात अप्रैल और मई के महीनों में प्रतिदिन लगभग 3500 पर्यटक इस चोटी की सैर करने के लिए आते हैं। इस स्थान को अधिक रोचक बनाने के लिए वन अधिकारियों ने पहाड़ के ऊपर एक वेधशाला बना दी है। यहाँ दो दूरबीन हैं जिसका उपयोग पर्यटक घाटी का दृश्य देखने के लिए कर सकते हैं।

ऊटी झील

इस झील का निर्माण यहां के पहले कलक्टर जॉन सुविलिअन ने 1825 में करवाया था। यह झील 2.5 किलोमीटर लंबी है। यहाँ आकर लोग बोटिंग और मछली पकड़ने का आनंद ले सकते हैं। यहां एक बगीचा और जेट्टी भी है।

डोडाबेट्टा चोटी

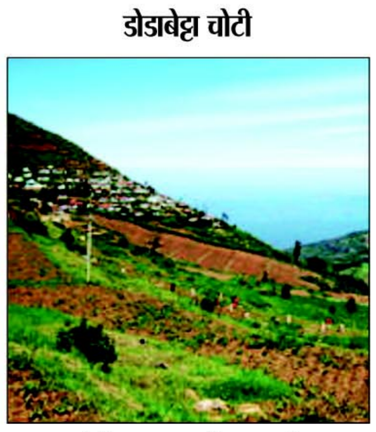

यह चोटी समुद्र तल से 2623 मीटर ऊपर है। यह जिले की सबसे ऊंची चोटी मानी जाती है। यह चोटी ऊटी से केवल 10 किलोमीटर दूर है । यहां से घाटी का नजारा अदभुत दिखाई देता है।

रेसिपी

मसाला मशरूम

सामग्री

1 कटा टमाटर, 1 कटी प्याज,1 टुकड़ा दालचीनी, 2 छोटे चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 6-7 लौंग,6-7 छोटी इलायची, 2 छोटे चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 250 ग्राम कटा मशरूम, 1 कटोरी हरा धनिया।

विधि

इस को बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में टमाटर, प्याज, दालचीनी और अदरक-लहसुन का पेस्ट, लौंग, इलायची और थोड़ा पानी डालकर पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म होने के बाद इस पेस्ट को डालकर कुछ देर भूनें फिर उसमें पिसी लाल मिर्च और नमक मिलाएं। सब चीजों को अच्छी तरह से मिला लेने के बाद उसमें मशरूम डालें। फिर से सब सामग्रियों के साथ मशरूम को मिलायें और अब 5—7 मिनट तक ढक कर पकाएं। अब उसको सर्विंग बाउल में ढालकर धनिया पत्ता से गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें।

चॉकलेट लावा केक

सामग्री

200 ग्राम चॉकलेट
110 ग्राम मक्खन
3 अंड़े
60 ग्राम चीनी
1 टीस्पून वैनिला एक्सट्रेक्ट
30 ग्राम मैदा

विधि

एक पैन लेकर उसमें पानी डाल दें और इसमें चॉकलेट डालकर गर्म करें। इसमें मक्खन डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि यह पिघल जाए। एक अलग बाऊल लेकर उसमें 2 अंड़े और1अंड़े का पीला भाग मिलाकर फैट लें। इसमें अब वनीला एसैंस और चीनी डालकर मिक्स कर लें। इसमें मैदा डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघली हुई चॉकलेट और मक्खन का मिक्सचर डालकर मिला लें। ध्यान रखें इसमें गांठ न पड़े। अब कप केक के पेपर सांचों पर मक्खन लगाएं ताकि केक इस पर चिपके न और इस पर थोड़ा मैदा छिड़क दें। इसमें अब केक का मिक्सचर डाल दें। ओवन को 350एस्र/180एष्ट पर प्री हीट करें और इसमें 5-10 मिनट के लिए कप केक को रखें। बेकिंग के बाद केक को सांचे से निकाल कर प्लेट में रखें और इसे चॉकलेट सिरप से गार्निश करें। वनिला आइसक्रीम के साथ इसे सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)